

राहुल ने वेणुगोपाल से उन सांसदों की लिस्ट मांगी, जो प्रदर्शन स्थल पर मौजूद नहीं थे

पार्टी के इन अनुपस्थित सांसदों से पत्र लिखकर गंभीरता से उनकी गैर मौजूदगी का कारण पूछा जा रहा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। राहुल गांधी आज लगातार तीसरे दिन दिल्ली की सड़कों पर अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ प्रदर्शन करते रहे और यह सुनिश्चित किया कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संदेश जोरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें आज फिर से हिरासत में ले लिया।
राहुल गांधी ने इस विरोध प्रदर्शन को बहुत गंभीरता से लिया है। उन्होंने किसी वेणुगोपाल से उन सभी कांग्रेस सांसदों की सूची मांगी है, जो प्रदर्शन स्थलों पर मौजूद नहीं थे। साथ ही, उन्होंने उनके न आने की वजह भी पूछी है।
अगर किसी सांसद के पास

- राहुल गांधी का मानना है कि जब कांग्रेस, पूरे विपक्ष को मिलजुल कर एक साथ लाना चाह रही है तो किसी भी कांग्रेस के सांसद का कोई बहाना चलाने वाला नहीं है, वे सरकार की व चुनाव आयुक्त की “वोट चोरी” के प्रयास को उजाकर करने में किसी प्रकार की बहानेबाजी न करें।
- पर, दिक्कत यह है कि हालांकि, राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन को अंतिम परिणाम तक ले जाना चाहते हैं, लेकिन, इण्डिया ब्लॉक के अन्य घटकों की इस मुद्दे पर विशेष रुचि नहीं है, क्योंकि, इन पार्टियों का मानना है कि इस मुहिम से उनको इतना लाभ नहीं, जितना कांग्रेस पार्टी को है।

प्रदर्शन में शामिल नहीं होने का कोई बहुत जरूरी और उचित कारण नहीं था, तो राहुल गांधी चाहते हैं कि ऐसे अनुपस्थित सांसदों को पत्र भेजकर उनसे जवाब मांगा जाए कि वे प्रदर्शन में क्यों मौजूद नहीं थे।
राहुल गांधी का कहना है कि जब

कांग्रेस पूरे विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश कर रही है, तो कांग्रेस सांसदों का विरोध-प्रदर्शन में शामिल न होने का कोई बहाना नहीं हो सकता।
राहुल गांधी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इस आंदोलन को और आगे

बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि विपक्षी गठबंधन में शामिल दलों को लगता है कि इस पूरे आंदोलन का फायदा और चर्चा गांधी परिवार को ज्यादा मिल रही है, जबकि विपक्षी सहयोगी दलों को उतना महत्व नहीं मिल रहा।

भारी मुनाफे के नाम पर 1.61 करोड़ रु. के जवाहरात की ठगी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। आदर्श नगर थाना पुलिस ने कीमती जवाहरात खरीदकर ठगी करने के मामले में आरोपी अलजेब खान (24) निवासी रामगंज जयपुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी, व्यापारियों को विदेश में कारोबार और बड़ा मुनाफा होने का झांसा देकर महंगे जवाहरात खरीदता

- अलजेब खान ने व्यापारी शुजात अंसारी से 1.61 करोड़ रुपये के कीमती पत्थर खरीदे और ठगी कर फरार हो गया।

था। बाद में उन्हें बाजार में कम कीमत पर बेचकर प्राप्त राशि का इस्तेमाल महंगी पार्टियों, अय्याशी और विदेश यात्राओं में करता था।
पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि आरोपी अच्छे परिवार से ताल्लुक रखता है। वह शुरुआत में व्यापारियों के साथ छोटे स्तर पर अच्छा कारोबार कर उनका विश्वास जीतता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘पुरानी भारतीय कम्पनियाँ मुझे भारत में काम करने से रोक रही हैं’

एलन मस्क का आरोप है कि भारत में काम करने के लिए उनकी कंपनी ने पूरा आधारभूत ढांचा खड़ा कर लिया है, पर, इस लाइन की पुरानी भारतीय कंपनियाँ उनको काम करने की इजाज़त देने में भारी रूकावटें डाल रही हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एलन मस्क ने “एक्स” पर आरोप लगाया है कि “कुछ ताकतवर लोग” (ओलिगार्क्स) भारत में स्टारलैंक के लॉन्च को रोक रहे हैं, ताकि वे अपना “एकाधिकार बनाए रख सकें। उन्होंने इसे “भारत के लोगों के खिलाफ अपराध” बताया। यह आरोप स्पेस एक्स के एक अधिकारी के यह कहने के बाद लगाया गया कि स्टारलैंक ने इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर लिया है और वह लॉन्च के लिए तैयार है। मस्क का आरोप बिना किसी का नाम लिए भारत की प्रमुख दूरसंचार कंपनियों की ओर इशारा करता है।
संचार मंत्रालय ने इस दावे को “बेबुनियाद और गलतफहमी पर

- ये पुरानी कंपनियाँ, इस क्षेत्र में एकाधिकार को बनाए रखना चाहती हैं, चाहे उनकी इस हरकत से देश को जो भी नुकसान हो तो हो।
- दूरसंचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद बताया और कहा कि किसी भी विदेशी कंपनी को इस क्षेत्र में काम करने की इजाज़त देने में देश की सुरक्षा के कई मुद्दे जुड़े हैं।
- अभी तक कोई भी विदेशी कंपनी इन सुरक्षा के मुद्दे पर भारत सरकार को संतुष्ट नहीं कर पाई है, अतः उन्हें देश में काम करने की इजाज़त नहीं मिली है।

आधारित” बताते हुए खारिज कर दिया।
मंत्रालय ने कहा कि सभी दूरसंचार सेवाओं, जिनमें सेटलाइट संचार भी शामिल है, के लिए निष्पक्ष और बिना भेदभाव वाला ऑथराइजेशन फ्रेमवर्क

लागू होता है।
तीन कंपनियों के पास ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सेटलाइट (जीएमपीसीएस) (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर की मृत्यु

बुधवार को रात को ढाई बजे उनकी तबियत खराब हुई तथा उन्होंने अपने मित्र को बुलाने व सूचित करने का प्रयास किया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जाने-माने एक्टर और फिल्ममेकर नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह गोवा स्थित उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से निधन हो गया। वे 75 साल के थे।
गोवा के मणिपाल अस्पताल में आँकोलांजी के प्रमुख डॉ. सालकर के अनुसार, नाना पाटेकर ने सुबह करीब 2:30 बजे अपने दोस्त को मैसेज किया था कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। देर रात होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए, जब तक कि पाटेकर ने उन्हें फोन नहीं किया।
डॉ. सालकर ने कहा, “करीब 2:30 बजे उन्होंने अपने दोस्त को मैसेज भेजा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है। लेकिन रात का समय होने के कारण दोस्त मैसेज नहीं देख पाए। फिर उन्होंने उन्हें फोन किया। वे (दोस्त) सुबह करीब 4 बजे उनके घर पहुंचे।” “तब उन्हें (पाटेकर को) पसीना आ रहा



था... और वे होश खो रहे थे।”
डॉक्टर ने बताया कि पाटेकर मणिपाल अस्पताल के पास ही रहते थे। उनके केयरटेकर को एम्बुलेंस लाने के लिए अस्पताल भेजा गया। वे हमारी एम्बुलेंस लेकर आए और हमारी इमरजेंसी रूम टीम ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कार्डियक मसाज शुरू की, क्योंकि पाटेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे थे। पाटेकर को सुबह करीब 4:20-4:30 बजे हमारे अस्पताल लाया गया। हमने पूरी कोशिश की, लेकिन उन्हें मृत

- पर, जब तक एम्बुलेंस आई और अस्पताल पहुंचे, बहुत देर हो चुकी थी तथा उन्हें बचाने के प्रयास विफल ही रहे।

अवस्था में ही लाया गया था।
डॉक्टर ने बताया कि सुबह करीब 5:30 बजे पाटेकर को मृत घोषित कर दिया गया।
चूंकि यह एक मेडिको-लीगल केस था, इसलिए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। अब शव को पोस्टमार्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया है।
नाना पाटेकर का शुक्रवार को पुणे में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केन्द्रीय गृहमंत्री सहित, तमाम नेताओं और फिल्म जगत की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ अभ्यारण्य का वनपाल व वनरक्षक रिश्तत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 8 अक्टूबर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की स्पेशल यूनिट-द्वितीय जयपुर ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए, नाहरगढ़ अभ्यारण्य की काला महादेव चौकी पर तैनात वनपाल और वनरक्षक को 50 हजार

- शूटिंग की सिक्योरिटी राशि वापस करने की एवज में 50 हजार की रिश्तत ले रहे थे।

रुपए की रिश्तत लेते रहे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी वनपाल श्याम सिंह को 20 हजार रुपए तथा वनरक्षक शिवकिशोर को 30 हजार रुपए रिश्तत लेते पकड़ा गया।
एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि परिवारी ने शिकायत दी थी कि उसने आमेर के मावठा में शूटिंग का कार्य किया था। इस कार्य से संबंधित सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने की एवज में काला महादेव चौकी, नाहरगढ़ अभ्यारण्य में पदस्थ पुलिसकर्मी श्याम सिंह और शिवकिशोर रिश्तत की मांग कर रहे थे। शिकायत के अनुसार, श्याम सिंह पहले ही परिवारी से 15 हजार रुपए रिश्तत (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गुरुग्राम का स्पोर्ट्स स्टेडियम “गैराज” कैसे बन गया?

इस स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रहे कोच व खिलाड़ी महीने में दो-चार दिन अन्यत्र कोचिंग के लिए स्थान ढूंढते नज़र आते ही हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। गुरुग्राम के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में अभ्यास कर रहे एथलीट्स चार दिनों तक स्टेडियम की सुविधा का इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ले जाने वाला हेलिकॉप्टर स्टेडियम के मैदान में पार्क किया हुआ था।
सैनी तीन दिन के सिंगापुर दौरे पर गए थे और गुरुग्राम लौटने के बाद, उन्हें हेलिकॉप्टर से चंडीगढ़ जाना था। गुरुग्राम में फिलहाल राज्य सरकार या नागरिक उड्डयन मंत्रालय का कोई हेलिपैड नहीं है, जबकि हेलिकॉप्टर को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पार्क करने में अतिरिक्त खर्च आता।

इस घटना के बाद खिलाड़ियों और कोचों ने खेल सुविधा का इस्तेमाल वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए किए जाने पर चिंता जताई है। “टाइम्स ऑफ इंडिया” ने खिलाड़ियों के हवाले से बताया कि ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। उनके अनुसार, लगभग हर महीने एक-दो दिन के लिए स्टेडियम में हेलिकॉप्टर खड़ा किया जाता है।

- जब भी हरियाणा के मु.मंत्री दो-चार दिन की विदेश यात्रा पर जाते हैं, उनका हेलिकॉप्टर गुरुग्राम के स्टेडियम पर पार्क रहता है।

- कारण शायद यह है कि अभी तक हरियाणा सरकार का हेलिकॉप्टर पार्क करने के लिए कोई स्थान आरक्षित या विकसित नहीं है।

- तथा हेलिकॉप्टर को पालम के हवाई अड्डे पर पार्क करना काफी महंगा सौदा है, राज्य सरकार के लिए। अतः सबकी सहाूलियत इसी में मानी गई कि कुछ दिन खिलाड़ी व एथलीट अन्यत्र ट्रेनिंग कर लें तथा हेलिकॉप्टर को स्टेडियम में सुरक्षित रखा जाए।

सैनी के मीडिया सलाहकार ने टाइम्स ऑफ इण्डिया को बताया कि हेलिकॉप्टर, मशीन में खराबी आ जाने के कारण स्टेडियम में रुका था और उसे स्टैंडबाय के तौर पर वहाँ नहीं रखा गया था।
तथापि, स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों ने “इंडिया टुडे डॉट इन्” को बताया कि हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल नियमित रूप से होता है। उन्होंने कहा कि ऐसी हेलिकॉप्टर गतिविधियों के कारण स्टेडियम हर महीने करीब दो दिनों तक

खिलाड़ियों के लिए बंद रहता है।
इन अलग-अलग दावों से यह सवाल उठता है कि वीआईपी हेलिकॉप्टरों के लिए स्टेडियम का इस्तेमाल कितनी बार किया जाता है और वहां ट्रेनिंग करने वाले एथलीटों पर इसका कितना असर पड़ता है।
इस सुविधा का इस्तेमाल ऐसे राज्य में खासतौर पर ध्यान देने लायक है, जहाँ खेलों की उल्लेखनीय परंपरा है और बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारत के पदक जीतने में राज्य का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। 2026 के एशियाई खेलों में

भारत ने कुल 85 पदक जीते, जिनमें से 32 पदक हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इनमें 14 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य पदक शामिल थे। खेलों से पदक लेकर लौटे 207 भारतीय खिलाड़ियों में से 45 हरियाणा के थे।
गुरुग्राम की यह घटना ऐसा पहला अवसर नहीं है, जब अधिकारियों की गतिविधियों या अन्य गैर-खेल आयोजनों के कारण खेल सुविधाओं तक देश के खिलाड़ियों की पहुंच प्रभावित हुई हो। सन् 2022 में दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम के खिलाड़ियों और कोचों ने आरोप लगाया था कि उन्हें अपना अभ्यास समय से पहले खत्म करने के लिए कहा गया था, ताकि दिल्ली के तत्कालीन प्रधान सचिव (राजस्व) संजीव खिरवार वहां अपने कुत्ते को घुमा सकें।
खिरवार ने इस बात से इनकार किया था कि उन्होंने इस कारण से खिलाड़ियों को स्टेडियम छोड़ने के लिए कहा था। वहीं, स्टेडियम के प्रशासक ने कहा था कि आधिकारिक ट्रेनिंग का समय शाम 7 बजे तक था। इस विवाद के बाद, खिरवार का तबादला लद्दाख और उनकी पत्नी तथा आईएएस (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेडीए आयुक्त और उपायुक्त के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-2 ने भूमि आवंटन से जुड़े मामले में जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन और जेडीए के

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पुलिस कमिश्नर को दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर 12 अक्टूबर को पेश करने के निर्देश दिये।

जोन-9 के उपायुक्त सूर्यकांत शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। आयोग ने पुलिस कमिश्नर को कहा है कि दोनों (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘चुनाव आयोग, न्यायपालिका तथा अन्य संवैधानिक संगठनों को बार-बार चोर व भ्रष्ट कहना व मानना खतरे से खाली नहीं’

42 पूर्व न्यायाधीशों ने खुला खत लिखकर इस प्रवृत्ति पर भारी चिन्ता व्यक्त की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष के बढ़ते विरोध के बीच, 42 पूर्व न्यायाधीशों ने एक कड़ा खुला पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे अभियान पर गंभीर चिंता जताई है।
पूर्व न्यायाधीशों ने बिना किसी

ठोस सबूत के लगाए जा रहे “वोट चोरी” के आरोपों पर सवाल उठाया। उन्होंने चेतावनी दी कि संवैधानिक संस्थाओं को बार-बार “चोर” और “समझौता करने वाला” बताने से लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है।
पूर्व न्यायाधीशों ने पत्र में लिखा, हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाएं लगातार हमलों का सामना कर रही हैं। भारत का चुनाव आयोग इस हमले के केन्द्र में

- इन पूर्व न्यायाधीशों के अनुसार, अब तक, जो भी आरोप लगाये गए हैं, उनके बारे में किसी भी न्यायालय में आरोप सही सिद्ध नहीं हुए हैं।
- पर, इन अफसरों व सरकारी अधिकारियों का बार-बार यह कहना, कि सरकार बदलेगी और तब उनकी खैर नहीं, यह अनुचित व गैर वाजिब है।

है। यहां तक कि जिस उच्च न्यायपालिका का हम बहुत सम्मान करते हैं, उसे और वैधानिक एजेंसियों

को भी नहीं बख्शा गया है।
पत्र में आगे कहा गया, “संस्थाओं की आलोचना करना

लोकतांत्रिक अधिकार है। लेकिन उन्हें नीचा दिखाना सही नहीं है।”
पूर्व न्यायाधीशों ने अपने खुले पत्र में कहा, अब सार्वजनिक मंचों से संवैधानिक अधिकारियों को “चोर”, “कठपुतली” और “समझौता करने वाला” कहा जाता है। चुनाव कराने वाले अधिकारियों का नाम लेकर उन्हें बदनाम व शर्मिंदा किया जाता है और सत्ता बदलने पर कार्रवाई की खुली चेतावनी दी जाती है। उल्लेखनीय है कि किसी भी अदालत ने इन आरोपों

को अब तक सही नहीं पाया है।”
पूर्व न्यायाधीशों ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इन्टेन्सिव रिविजन-एसआईआर) का भी समर्थन किया। उन्होंने इसे कानून के तहत तय की गई प्रक्रिया बताया, जिसका उद्देश्य साफ और सही मतदाता सूचियाँ सुनिश्चित करना है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों की वैधता पर सवाल उठाने की कोशिशों से अशांति बढ़ सकती है (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बिना किसी अधिकार के सूरज मैदान किराये पर देने के मामले में 13 अक्टूबर को कलैक्टर से जवाब मांगा।

कहा है कि आदर्श नगर स्थित सूरज मैदान को आदर्श विद्या मंदिर प्रबंध समिति की ओर से किराए पर देने के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

योग्य पति अपनी पत्नी को सम्मान की अधिकारिणी बना देता है। –मनु

राजस्थान में कलाओं के विस्तार में ललित कला अकादमी की भूमिका

राजस्थान का नाम लेते ही आँखों के सामने रंगों, रेखाओं, आकृतियों और लोक-स्मृतियों से सजा हुआ एक विराट सांस्कृतिक संसार उभरता है। यहाँ की हवेलियों की भित्तिचित्रकारी, किशनगढ की बर्णी-ठण्णी, बूंदी और कोटा की चित्रशैली, मेवाड की लघुचित्र परंपरा, फड चित्रांकन, मांडणा, कठपुतली, लोकमूर्तियाँ, धातु-कला, मृण्मूर्ति और आधुनिक चित्रकला ये सभी राजस्थान की बहुरंगी कला-परंपरा के जीवंत प्रमाण हैं। इस समृद्ध विरासत को संरक्षित करने, कलाकारों को प्रोत्साहन देने तथा कला को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुँचाने में राजस्थान ललित कला अकादमी की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही है।

राजस्थान ललित कला अकादमी की स्थापना वर्ष 1957 में हुई। इसका उद्देश्य प्रदेश में ललित कलाओं का प्रचार-प्रसार करना, कलाकारों की रचनात्मक क्षमता को विकसित करना, कला-परंपराओं का संरक्षण करना और नए कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराना है। अकादमी जयपुर स्थित अपने परिसर से चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला, छायाचित्रण, लोक एवं समकालीन कला जैसी विविध विधाओं को प्रोत्साहित करती है। यह संस्था कलाकार और समाज के बीच एक सुजनात्मक सेतु का कार्य करती है।

राजस्थान की कला-परंपरा का स्वरूप अत्यंत विस्तृत और विविधतापूर्ण है। मरुस्थलीय जीवन, लोकविश्वास, धार्मिक आख्यान, बीरागाथाएँ, प्रकृति, पशु-पक्षी, ग्रामीण जीवन और राजसी संस्कृति यहाँ की कला के प्रमुख विषय रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट चित्रशैलियाँ विकसित हुईं। मेवाड की चित्रकला में धार्मिकता और लोकजीवन को सहजता दिखाई देती है, जबकि बूंदी और कोटा की चित्रशैली में प्रकृति, शिकार और राजदरबार के दृश्य प्रमुख हैं। किशनगढ शैली अपनी कोमल भावाभिव्यक्ति और सौंदर्यबोध के लिए प्रसिद्ध है। शेखावाटी की हवेलियों के भित्तिचित्र सामाजिक इतिहास और लोक-संस्कृति के दस्तावेज हैं।

ऐसी समृद्ध परंपराओं को केवल संग्रहालयों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। उन्हें वर्तमान जीवन से जोड़ना भी आवश्यक है। राजस्थान ललित कला अकादमी इसी दिशा में कार्य करती है। अकादमी पारंपरिक कलाओं के साथ-साथ आधुनिक और प्रयोगधर्मी कला को भी मंच प्रदान करती है। इससे कलाकारों को अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए नए माध्यमों, नई तकनीकों और नए विचारों के साथ सृजन करने का अवसर मिलता है।

अकादमी की सबसे प्रमुख गतिविधियों में कला-प्रदर्शनियों का आयोजन शामिल है। वार्षिक कला प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत कलाकारों की अपनी कृतियाँ प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। इन प्रदर्शनियों में चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक कला और अन्य दृश्य कलाओं का समावेश होता है। अनुभवी निर्णायकों द्वारा कृतियों का चयन किया जाता है और श्रेष्ठ कलाकारों को पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इससे कलाकारों को पहचान, सम्मान और आर्थिक प्रोत्साहन प्राप्त होता है।

वार्षिक कला प्रदर्शनी केवल पुरस्कार देने का आयोजन नहीं होती, बल्कि यह प्रदेश के कला-परिदृश्य का वार्षिक मूल्यांकन भी प्रस्तुत करती है। इसमें यह देखा जा सकता है कि कलाकार किन विषयों पर काम कर रहे हैं, उनकी तकनीकों में क्या परिवर्तन आ रहे हैं और समाज की बदलती परिस्थितियाँ कला में किस प्रकार अभिव्यक्त हो रही हैं। उदाहरण के लिए, हाल के आयोजनों में शहरी जीवन, पर्यावरण, स्त्री-अनुभव, लोकपरंपरा, वचनपन, ग्रामीण जीवन और सामाजिक परिवर्तन जैसे विषयों को स्थान मिला है। इससे स्पष्ट होता है कि राजस्थान की कला परंपरा स्थिर नहीं, बल्कि निरंतर विकसित होने वाली जीवंत धारा है।

अकादमी का दूसरा महत्त्वपूर्ण योगदान युवा कलाकारों को प्रोत्साहन देना है। किसी भी कला-परंपरा की निरंतरता तभी बनी रह सकती है, जब नई पीढ़ी उससे जुड़े। अनेक युवा कलाकार प्रतिभाशाली होते हुए भी आर्थिक कठिनाइयों, उचित मार्गदर्शन और प्रदर्शन के अवसरों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। अकादमी प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं, कला शिविरों, कार्यशालाओं और पुरस्कारों के माध्यम से ऐसे कलाकारों को आगे बढ़ने का अवसर देती है।

युवा कलाकारों के लिए कला-शिविर विशेष रूप से उपयोगी होते हैं। शिविरों में विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकार एक-दूसरे की कार्यशलाओं को समझते हैं और अनुभवों का आदान-प्रदान करते हैं। वरिष्ठ कलाकारों के मार्गदर्शन से युवा कलाकारों को तकनीकी ज्ञान, विषय-विस्तार और प्रस्तुतीकरण की नई दृष्टि प्राप्त होती है। कला केवल एकान्त में बैठकर चित्र बनाने की प्रक्रिया नहीं है; यह संवाद, प्रयोग और सामूहिक अनुभव से भी विकसित होती है। अकादमी के शिविर इस संवाद को संभव बनाते हैं।

अकादमी कला-व्याख्यानों, संगोष्ठियों और परिचर्चाओं के माध्यम से कला के सैद्धांतिक पक्ष को भी मजबूत करती है। कला इतिहास, आधुनिक कला, लोक कला, संरक्षण, संग्रहालय-विज्ञान, कला-बाजार और डिजिटल माध्यमों पर आयोजित कार्यक्रम कलाकारों, विद्यार्थियों और कला-प्रेमियों के लिए ज्ञानवर्धक होते हैं। इससे कला केवल प्रदर्शन की वस्तु न रहकर विचार और विमर्श का विषय बनती है।

राजस्थान की लोक और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण में भी अकादमी की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। मांडणा, फड, लघुचित्र, भित्तिचित्र, लोकमूर्तिकला और पारंपरिक हस्तकला जैसी विधाएँ केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं हैं; उनमें समुदायों की स्मृतियाँ, धार्मिक आस्थाएँ, सामाजिक मान्यताएँ और जीवन-पद्धतियाँ भी सुरक्षित रहती हैं। आधुनिकता और बाजार के दबाव में अनेक पारंपरिक कलाएँ धीरे-धीरे कमजोर हो रही हैं। अकादमी इन कलाओं को प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से नए दर्शकों तक पहुँचाने का प्रयास करती है।

लोक कला को समकालीन संदर्भों से जोड़ना भी आवश्यक है। यदि पारंपरिक कला केवल अतीत की वस्तु बनकर रह जाए, तो उसकी जीवंतता समाप्त हो सकती है। अकादमी की भूमिका इस बात में है कि पारंपरिक कलाकारों को नए विषयों, नए बाजारों और नए माध्यमों से जोड़ा जाए। पारंपरिक शैली में पर्यावरण, जल-संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्राम्य विकास और सामाजिक सद्भाव जैसे विषयों को वित्ति्त करया जा सकता है। इससे लोक कला अपने मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए वर्तमान समय से संवाद कर सकेगी।

अकादमी कलाकारों के सम्मान और प्रोत्साहन की परंपरा को भी आगे बढ़ाती है। पुरस्कार किसी कलाकार के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं होते, बल्कि ये उसकी साधना की सामाजिक स्वीकृति का प्रतीक होते हैं। एक कलाकार वर्षों तक अत्यास, संघर्ष और आत्मसाक्षात्कार के बाद अपनी पहचान बनाता है। जब किसी संस्थागत मंच पर उसकी कृति को सम्मान मिलता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह अधिक गंभीरता से सृजन करता है। वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान युवा पीढ़ी को यह संदेश देता है कि कला-साधना समाज में प्रतिष्ठित और महत्त्वपूर्ण कार्य है।

अकादमी कला-संग्रह और अभिलेखीकरण के क्षेत्र में भी उपयोगी भूमिका निभा सकती है। किसी भी प्रदेश की कला-धरोहर को सुरक्षित रखने के लिए कृतियों का संग्रह, कलाकारों का परिचय, कला-शैलियों का दस्तावेजीकरण और प्रदर्शनियों का अभिलेख आवश्यक है। राजस्थान के अनेक कलाकारों ने दशकों तक महत्त्वपूर्ण कार्य किया, लेकिन उनके जीवन और कृतियों का पर्याप्त दस्तावेजीकरण नहीं हो सका। अकादमी द्वारा कलाकारों की कृतियों का व्यवस्थित अभिलेख तैयार किया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ प्रदेश की कला-यात्रा को समझ सकें।

डिजिटल युग में अकादमी की भूमिका और भी व्यापक हो गई है। डिजिटल माध्यमों के कारण कला अब किसी एक शहर या प्रदेश तक सीमित नहीं रहती। ऑनलाइन प्रदर्शनी, डिजिटल संग्रहालय, कलाकारों की डिजिटल प्रोफाइल, आपसी दीर्घाएँ और सामाजिक माध्यमों पर कला-प्रस्तुति के माध्यम से राजस्थान की कलाकारों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शक मिल सकते हैं।

अकादमी को विद्यालयों और महाविद्यालयों के साथ भी सक्रिय संबंध स्थापित करने चाहिए। कला शिक्षा केवल चित्र बनाने की तकनीक सिखाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में संवेदनशीलता, कल्पनाशक्ति, अवलोकन क्षमता और सौंदर्यबोध विकसित होता है। यदि अकादमी विद्यालयों में कला-शिविर, चित्रकला प्रतियोगिता, लोककला परिचय कार्यक्रम और कलाकारों से संवाद आयोजित करे, तो बच्चों की दिशा-दर्शकता और जिला स्तर पर नियमित प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और कला संवाद आयोजित करने चाहिए। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को जयपुर तक आने की कठिनाई से मुक्ति मिलेगी।

कला के विस्तार में भौगोलिक विकेंद्रीकरण भी आवश्यक है। जयपुर राज्य का प्रमुख कला-केंद्र है, लेकिन कला केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जोधपुर, उदयपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, बूंदी, भरतपुर, अलवर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर जैसे शहरों में भी कला की समृद्ध परंपराएँ हैं। अकादमी को संभावित और जिला स्तर पर नियमित प्रदर्शनियाँ, कार्यशालाएँ और कला संवाद आयोजित करने चाहिए। इससे छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के कलाकारों को जयपुर तक आने की कठिनाई से मुक्ति मिलेगी।

राजस्थान में कला के विकास के लिए अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय भी जरूरी है। जवाहर कला केंद्र, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, भारतीय लोक कला मंडल, राजस्थान विश्वविद्यालय, कला महाविद्यालय, संग्रहालय, निजी कला दीर्घाएँ और स्वयंसेवी संस्थाएँ अपने-अपने स्तर पर कार्य कर रही हैं। यदि इन संस्थाओं के बीच साझा कार्यक्रम, संयुक्त प्रदर्शनियाँ, कलाकार विनिमय और शोध परियोजनाएँ संचालित हों, तो कला-जगत को व्यापक लाभ मिल सकता है। राष्ट्रीय ललित कला अकादमी के क्षेत्रीय केंद्रों के साथ सहयोग से राजस्थान के कलाकारों को देश के अन्य भागों में भी अवसर मिल सकते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर ललित कला अकादमी प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, व्याख्यानों और कलाकार सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से दृश्य कला को प्रोत्साहित कर सकती है।

अकादमी के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं। कला-प्रदर्शनियों की संख्या बढ़ाना, पारदर्शी चयन प्रक्रिया बनाए रखना, कलाकारों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना, ग्रामीण कलाकारों तक पहुँचाना, कला-बाजार से जोड़ना और स्थायी कला-संग्रह विकसित करना समय की आवश्यकता है। अनेक कलाकार अपनी कृतियों का उचित मूल्य प्राप्त नहीं कर पाते। अकादमी को कला-विक्रय, कला-परामर्श और ऑनलाइन प्रदर्शनी के लिए भी व्यवस्था करनी चाहिए। इससे कलाकारों को आजीविका का सहारा मिलेगा और कला-सृजन अधिक व्यापक होगा।

महिला कलाकारों, दिव्यांग कलाकारों, आदिवासी समुदायों और वंचित वर्गों से आने वाले कलाकारों के लिए विशेष अवसर उपलब्ध करना भी जरूरी है। राजस्थान के जनजातीय अंचलों में अनेक लोककलाएँ और शिल्प परंपराएँ आज भी जीवित हैं। इन कलाकारों की प्रतिभा को मुख्यधारा के कला-मंच से जोड़कर न केवल उन्हें सम्मान दिया जा सकता है, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता को भी मजबूत किया जा सकता है।

राजस्थान ललित कला अकादमी ने प्रदेश की कला-यात्रा में एक महत्त्वपूर्ण आधार तैयार किया है। उसने कलाकारों को मंच दिया, प्रदर्शनियों की परंपरा विकसित की, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया और कला को सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बनाया। आज आवश्यकता है कि अकादमी अपने कार्यक्षेत्र को और व्यापक बनाए तथा कला को राजधानी से निकालकर प्रदेश के गाँवों, कस्बों और छोटे शहरों तक पहुँचाए।

कला किसी समाज का मीन इतिहास होती है। वह उन अनुभवों की अभिव्यक्ति देती है जिन्हें शब्दों में कहना कठिन होता है। राजस्थान की कला में यहाँ की रेत, लोकजीवन, संघर्ष, आस्था, उत्सव और मानवीय संवेदना का गहरा रंग दिखाई देता है। ललित कला अकादमी इस रंग-संसार की संरक्षक ही नहीं, बल्कि उसकी नई दिशाओं की खोजी भी है। यदि अकादमी परंपरा और आधुनिकता, लोक और शास्त्र, गाँव और शहर तथा कलाकार और दर्शक के बीच सशक्त संवाद स्थापित करती रहे, तो राजस्थान की कला न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि वैश्विक मंच पर भी अपनी विशिष्ट पहचान और प्रभाव बनाए रखेगी।

–अतिथि संपादक,

अविनाश जोशी,

वरिष्ठ पत्रकार एवं रंत्तभकार



सूर्यप्रताप सिंह राजावत

निर्वाचन आयोग के कामकाज से संबंधित प्रश्नों का परीक्षण संविधान, कानून, नियम, आधिकारिक अभिलेख, न्यायिक निर्णय और उपलब्ध प्रमाणों की कसौटी पर किया जाना चाहिए। मतदाता सूचियों, निर्वाचन आयुक्तों, मतदाता विवरणों और तकनीक को लेकर प्रश्न उठते हैं। इसलिए तथ्यों, लगाए गए आरोपों, कानूनी स्थिति और उपलब्ध प्रमाणों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग समझना आवश्यक है।

तथ्य : मतदाता सूची की शुद्धता- मतदाता सूची की शुद्धता स्वयं एक वैधानिक आवश्यकता है। Representation of the People Act, 1950 में मतदाता के पंजीकरण, सामान्य निवास, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण तथा नृटिपूर्ण या अपात्र प्रविष्टियों के सुधार और विलोपन से संबंधित व्यवस्था है। धारा 19 पंजीकरण का आधार प्रदान करती है। कानून एक व्यक्ति के एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में अथवा एक ही निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार पंजीकरण को रोकता है। धारा 22 के अंतर्गत प्रविष्टि के संशोधन, स्थानांतरण या विलोपन से पहले उचित सत्यापन की आवश्यकता है। अतः अपात्र, मृत अथवा वृष्णोकेत प्रविष्टियों को हटाना वैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है। साथ ही पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटे, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

आरोप या दावा : सॉफ्टवेयर का

संभावित दुरुपयोग-सॉफ्टवेयर के संभावित दुरुपयोग का प्रश्न सार्वजनिक विमर्श में उठाय़ा जाता है। तथ्य यह है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची और निर्वाचन प्रशासन में तकनीक का उपयोग करता है। ERONET जैसी प्रणालियाँ निर्वाचन सूची प्रबंधन में उपयोग की जाती हैं। लेकिन यह अलग और अधिक गंभीर दावा है कि किसी सॉफ्टवेयर को किसी राजनीतिक दल या हित के पक्ष में जानबूझकर तैयार या संचालित किया गया। उपलब्ध सामग्री इस आरोप को स्थापित तथ्य के रूप में सिद्ध नहीं करती। ऐसे आरोप के लिए विशिष्ट तकनीकी या दस्तावेजी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए तकनीक की पारदर्शिता और ऑडिट-योग्यता पर प्रश्न उठाना तथा सॉफ्टवेयर को राजनीतिक रूप से पक्षपाती घोषित करना दो अलग बातें हैं।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति- Anoop Baranwal v. Union of India (2023) में सर्वोच्च न्यायालय ने संसद द्वारा कानून बनाए जाने तक प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश से संबंधित चयन व्यवस्था निर्धारित की थी। इसके पश्चात संसद ने Chief Election Commissioner and Other Election Commissioners (Appointment, Conditions of Service and Term of Office) Act, 2023 पारित किया। इसकी धारा 7 के अनुसार चयन समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्रिमंडल का मंत्री तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता को रखा गया है। यह वैधानिक तथ्य है। इसके विपरीत, यह कहना कि इस परिवर्तन से निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता निश्चित रूप से कमजोर हुई है, एक अलग संवैधानिक दावा है। उसका मूल्यांकन कानून, संस्थागत संरचना, सुरक्षा उपायों और

न्यायिक परीक्षण के आधार पर किया जाना चाहिए।

तथ्य और कानूनी स्थिति : निर्वाचन आयुक्तों का संरक्षण-2023 के अधिनियम की धारा 16 मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को उनके आधिकारिक कार्यों के दौरान किए गए कुछ कार्यों, बातों या कृत्यों के संबंध में निर्धारित दीवानी अथवा आपराधिक कार्यवाही से वैधानिक संरक्षण प्रदान करती है। इसे संविधान प्रदत्त प्रत्यक्ष प्रतिरक्षा के बजाय वैधानिक संरक्षण कहना अधिक सटीक है। संरक्षण का अस्तित्व तथ्य है, जबकि उसकी वैधता और सीमा अलग कानूनी प्रश्न है। अनुच्छेद 324(5) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को विशेष सुरक्षा प्रदान करता है, जबकि अन्य निर्वाचन आयुक्तों के संबंध में मुख्य निर्वाचन आयुक्त की अनुशंसा का महत्व है।

आरोप या दावा : नामों और वर्तनी के आधार पर बहिष्करण-वर्तनी के मिलान में प्रशासनिक कठिनाई दिखाई देती है। निर्वाचन आयोग के SIR 2026 सर्चपोर्टल पर उल्लेख है कि पुराने और वर्तमान मतदाता रिकॉर्ड में नामों की वर्तनी अलग हो सकती है। मतदाताओं को वैकल्पिक वर्तनी से खोज करने की सलाह दी गई है और “Maneesh” तथा “Manish” जैसे उदाहरण दिए गए हैं। नाम और अन्य विवरणों से भी खोज की सुविधा है। यह रिकॉर्ड के मिलान में वर्तनी और लिप्यंतरण की कठिनाई दर्शाता है। मतदाताओं को वैकल्पिक वर्तनी से खोज करने की सलाह दी गई है और “Maneesh” तथा “Manish” जैसे उदाहरण दिए गए हैं। नाम और अन्य विवरणों से भी खोज की सुविधा है। यह रिकॉर्ड के मिलान में वर्तनी और लिप्यंतरण की कठिनाई दर्शाता है।

तथ्य : प्रवास और सामान्य निवास-Representation of the People Act, 1950 की धारा 20(1A) स्पष्ट करती है कि सामान्य निवास स्थान से अस्थायी

अनुपस्थिति मात्र व्यक्ति को सामान्य निवासी नहीं रहने वाला नहीं बनाती। इसलिए रोजगार, शिक्षा अथवा आजीविका के लिए बाहर रहने वाले व्यक्ति को केवल इस आधार पर मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जा सकता कि वह अपने मूल स्थान पर उपस्थित नहीं है। निर्वाचन आयोग ने पंजीकरण, सुधार, निवास परिवर्तन, विलोपन पर आपत्ति और मतदाता सूची में नाम की जांच जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराई हैं। अतः सुधारात्मक व्यवस्था का अस्तित्व एक स्थापित तथ्य है।

आरोप या दावा : वृद्ध मतदाताओं और दस्तावेजी असंगतियों का प्रश्न- दस्तावेजी विवरणों में अंतर से मतदाता को कठिनाई की आशंका व्यक्त की जा सकती है। दस्तावेजी असंगतियों वाले नागरिकों की व्यावहारिक कठिनाइयों की जांच उचित है। लेकिन यह दावा कि वृद्ध मतदाताओं को व्यवस्थित रूप से केवल आयु के दस्तावेजी प्रमाण के कारण बाहर किया जा रहा है, उपलब्ध सामग्री से स्थापित तथ्य के रूप में नहीं कहा जा सकता। प्रशासनिक कठिनाई की संभावना और व्यवस्थित बहिष्करण के आरोप को अलग रखना आवश्यक है।

तथ्य : बिहार SIR पर सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय-बिहार की Special Intensive Revisions से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय का 27 मई 2026 का निर्णय, Association for Democratic Reforms v. Election Commission of India, 2026, इस विमर्श में महत्त्वपूर्ण संदर्भ है। न्यायालय ने मतदाता सूचियों की शुद्धता से संबंधित प्रवास, मृत्यु की सूचना दर्ज न होने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों जैसी समस्याओं पर विचार किया। मतदाता सूची की शुद्धता वास्तविक प्रशासनिक और संवैधानिक विषय है। लेकिन किसी समस्या पर न्यायिक विचार का अर्थ यह नहीं है कि निर्वाचन आयोग के विरुद्ध लगाए गए प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध हो जाते हैं।

रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ा बाबा रामदेव मंदिर और रामदेसर बेरी, सामने विराजित है डांगरा परिवार की कुलदेवी शेडल माता



अचलदास डांगरा

जैसलमेर दुर्ग केवल पीले पत्थरों से निर्मित एक ऐतिहासिक किला नहीं है, बल्कि इसकी प्रत्येक पोल, चौक, मंदिर, कुआँ और हवेली अपने भीतर सदियों पुरानी आस्था, परंपरा और लोकजीवन की कहानी समेटे हुए है। दुर्ग के निर्माण के लिए अखेपोल चौक भी ऐसी ही ऐतिहासिक और धार्मिक स्मृतियों का साक्षी है, जहाँ लोकमान्यताओं के अनुसार रावल लक्ष्मणसिंह के काल से बाबा रामदेवजी की भक्ति, जलसेवा और कुलदेवी आराधना की परंपरा जुड़ी हुई है।

जैसलमेर दुर्ग के प्रथम प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध अखेपोल को पार करते ही जिस चौक में प्रवेश होता है, वहाँ सबसे पहले दिखाई देने वाले प्राचीन धार्मिक स्थलों में बाबा रामदेवजी का मंदिर प्रमुख है। स्थानीय इतिहास और लोकमान्यताओं में इस मंदिर के निर्माण को रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जोड़ा जाता है। रावल लक्ष्मणसिंह का शासनकाल 14वीं-15वीं शताब्दी का माना जाता है और लोकदेवता बाबा रामदेवजी भी इसी कालखंड के महान संत एवं

लोकनायक माने जाते हैं।

सामने कुलदेवी शेडल माता का प्राचीन मंदिर- बाबा रामदेवजी मंदिर के ठीक सामने डांगरा परिवार की कुलदेवी शेडल माता का प्राचीन मंदिर स्थित है। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस मंदिर का निर्माण डांगरा जयदेव द्वारा संवत 1313 में करवाया गया था। यह मंदिर जैसलमेर के माहेश्वरी समाज के डांगरा, पंसारी और गोलकिया परिवारों की प्राचीन कुलदेवी की आराधना का प्रमुख केंद्र रहा है। इस प्रकार अखेपोल चौक में आमने-सामने स्थित ये दोनों धार्मिक स्थल जैसलमेर की धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत के दो महत्त्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं-एक ओर लोकदेवता बाबा रामदेवजी की लोकआस्था और दूसरी ओर कुलदेवी शेडल माता की पारिवारिक एवं सामाजिक आराधना।

रामदेसर बेरी-आस्था के साथ जलसेवा की परंपरा -अखेपोल चौक की इस धार्मिक परंपरा से जुड़ा एक अन्य महत्त्वपूर्ण स्मृति-चिह्न है रामदेसर बेरी, जिसे स्थानीय लोग रामदेसर कुएं के रूप में भी जानते हैं। लोकमान्यता है कि बाबा रामदेवजी के मंदिर की स्थापना के समय श्रद्धालुओं, यात्रियों और चौक के निवासियों के लिए पीने पानी की व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इस जलस्रोत का निर्माण कराया गया। इसे बाबा रामदेवजी के प्रति श्रद्धा से जोड़ते हुए रामदेसर नाम दिया गया। स्थानीय इतिहास में यह मान्यता भी मिलती है कि रामदेसर बेरी की स्थापना रामदेवजी की सुविधा के लिए जल मंदिर का निर्माण कराया गया। यह परिवर्तन केवल एक पुराने

में उपलब्ध ऐतिहासिक प्रमाणों का स्वतंत्र दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक है, लेकिन लोकस्मृति में रामदेसर बेरी और बाबा रामदेव मंदिर का संबंध लंबे समय से जीवित है।

दुर्ग में प्रवेश के साथ ही आस्था का संदेश -जैसलमेर दुर्ग की स्थापत्य योजना में प्रवेश द्वारों का विशेष महत्व रहा है। अखेपोल से भीतर प्रवेश करने वाला व्यक्ति इसी चौक में पहुंचता है। पुराने समय में ऐसे चौक केवल आवागमन के स्थान नहीं थे, बल्कि सुरक्षा, सामाजिक गतिविधियों और धार्मिक जीवन के भी महत्त्वपूर्ण केंद्र हुआ करते थे। अखेपोल चौक की बनावट और स्थिति को देखते हुए यह स्थान दुर्ग के सामाजिक एवं सांस्कृतिक जीवन में महत्त्वपूर्ण रहा होगा। आज भी यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए प्राचीन मंदिरों की उपस्थिति जैसलमेर की उस परंपरा का परिचय देती है जिसमें धर्म, जल और लोकजीवन एक-दूसरे से जुड़े हुए थे।

रामदेसर बेरी से जल मंदिर तक-सेवा की परंपरा कायम - समय के साथ दुर्ग के इस हिस्से में परिस्थितियां बदलीं। बाबो भली करे संस्था की देखरेख में बाबा रामदेवजी मंदिर के पुनरुद्धार का कार्य हुआ। मंदिर के सामने स्थित ऐतिहासिक रामदेसर बेरी को श्रद्धालुओं की सुविधा और चौक के विकास की दृष्टि से बढ़ा किया गया तथा यहां विशाल चौक का स्वरूप विकसित किया गया। इसी क्रम में स्वर्गीय बड़ी प्रसाद डांगरा रामदेसर बेरी के परिवारजनों द्वारा शीतल पेयजल के रूप में निर्धारित की गई। जल मंदिर का निर्माण कराया गया। यह परिवर्तन केवल एक पुराने



जलस्रोत के स्थान पर नई व्यवस्था खड़ी करने की कहानी नहीं है। इसे व्यापक अर्थ में देखें तो यह जैसलमेर की उस पुरानी परंपरा की निरंतरता है जिसमें धार्मिक स्थलों के साथ पेयजल और जनसेवा की भी महत्व जुड़ा जाता था।

इतिहास की परतों में दर्ज एक जीवंत चौक -अखेपोल चौक को यदि ध्यान से देखा जाए तो यहां इतिहास की कई परतें एक साथ दिखाई देती हैं-प्राचीन दुर्ग, प्रवेश द्वार, बाबा रामदेवजी का मंदिर, सामने स्थित शेडल माता का मंदिर, रामदेसर बेरी की स्मृति और वर्तमान में निर्मित जल मंदिर। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। एक ओर रावल लक्ष्मणसिंह के काल से जुड़ी लोकमान्यता है, दूसरी ओर संवत 1313 से जुड़ी शेडल माता मंदिर की परंपरा और तीसरी ओर वर्तमान पीढ़ी द्वारा जलसेवा के रूप में निर्धारित की गई सामाजिक जिम्मेदारी। जैसलमेर की ऐतिहासिक विरासत का वास्तविक

पैरा 55 में न्यायालय ने कहा कि SIR ve lees Representation of the People Act और 1960 के Rules से टकराती है और न स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन की संवैधानिक अनिवार्यता से विचलित होती है। न्यायालय ने को R.P. Act की धारा 21(3) की संविधान के अनुच्छेद 324 के साथ पढ़े जाने पर प्राप्त वैधानिक एवं संवैधानिक अधिकार-क्षेत्र से उत्पन्न प्रक्रिया माना। यह न्यायिक निष्कर्ष के विधिक आधार से संबंधित है; इससे सॉफ्टवेयर के राजनीतिक दुरुपयोग या प्रत्येक हटाए गए नाम के अवैध होने जैसे अलग आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते।

निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति देता है। वास्तविक प्रश्न है कि प्रक्रिया कानून, सत्यापन और सुधार के अवसर के साथ कैसे लागू होती है। निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रत्येक आरोप स्वतः सिद्ध नहीं होते। निष्कर्ष : तथ्य, आरोप और प्रमाण-मतदाता सूची का पुरोक्षण अपने आप में अवैध नहीं है; कानून इसकी अनुमति

Hero celebrates art forms of India.
Featuring Warli Art by Dilip Rama Bahotha from Maharashtra.



AAYA TYOHAAR HERO PE SAWAAR

PRE-BOOK NOW TO GET DELIVERY
DURING NAVARATRI.



Splendor+
XTEC 2.0



DESTINI

LIMITED
PERIOD
OFFERS

CASH DISCOUNT UP TO
₹2500[~]

INSTANT DISCOUNT UP TO
₹10000[^]

LOW RATE OF INTEREST
6.99%^{*}

EXCLUSIVE CORPORATE OFFER UP TO
₹3200[~]

For bulk / institutional inquiries, please write to us at : institutionalsales@heromotocorp.com | Available in CSD



Hero Stand a chance to win
GoodLife **24 Carat Gold Coin**
and many more assured benefits[®]

Also Available on:
 amazon.in

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. *T&C apply. Offer available only on limited stores. @Limited period offer, T&C apply.

TOLL FREE
1800 266 0018

अधिकृत डीलर: सवाई माधोपुर: विजय हीरो, 9289922388, टोंक: राजू हीरो, 9289922438, दौसा: अरुण हीरो, 9289922522, गंगापुर सिटी: पालीवाल हीरो, 9289922842, बांदीकुई: झालानी हीरो, 9289922960, देवली: गोयल हीरो, 9289922995, एमोशिष्ट डीलर: दौसा: शारदा हीरो, नांगल राजावतन, 7428595934, लालमोट: आशीष मोटर्स, 9413326881, करौली: देव मोटर्स, 7428595932, सपोटरा: जिनदल ऑटोमोबाइल्स, 7428598990, महवा: एम.एस. मोटर्स, 7428595936, निवाई: एस. मोटर्स, 9414273518, नादौती: अवस्थी मोटर्स, 7428598989, हिंडौन सिटी: विष्णु ऑटोमोबाइल्स, 7469294625, वजीरपुर: आशा मोटर्स, 7428595931, सिकंदरा: निरंकार मोटर्स, 7062729676, 6377061716, फेलिकापुरा: मोहित मोटर्स, 9982480849, कैलादेवी: शास्त्री मोटर्स, 9828616188, शिवर: शिव शक्ति मोटर्स, 9414553872, कुरगांव: सैनी मोटर्स, 9828210025, मंडावरी: अभिषेक मोटर्स, 9413453111, सूरौठ: श्री साई मोटर्स, 8114494899 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) सवाई माधोपुर: विजय हीरो, 9289922388, गंगापुर सिटी: पालीवाल मोटर्स, 9289922842

डंपर की टक्कर से बाइक सवार छात्र की मौत

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ़्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार कॉलेज छात्र की मौत हो गई। हादसा पोखरिया वाला पुलिसा के पास शाम करीब 5:30 बजे हुआ। डंपर की टक्कर के बाद छात्र सड़क पर गिर गया और डंपर के पिछले पहिए की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रशांत जांगिड़ (20) के रूप में हुई है। वह सोनी का बाग, विद्याधर नगर निवासी धर्मेन्द्र कुमार जांगिड़ का पुत्र था और एमिटी युनिवर्सिटी में बीबीए का छात्र था।दौलतपुरा थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर व मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पुलिस ने शव को कांक्टिया अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है। शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

आरआईसी प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप, हंगामा

जयपुर । राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को कथित अव्यवस्थाओं और प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर हंगामा हो गया। कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने प्रबंधन पर भाई-भतीजावाद के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। इस दौरान व्यवस्थाओं को लेकर भी पत्राजगी सामने आई।

विरोध कर रहे लोगों का आरोप है कि सेंटर में कार्यक्रमों के आयोजन, सुविधाओं के आवंटन और अन्य व्यवस्थाओं में पारदर्शिता का अभाव है। कुछ लोगों ने प्रबंधन पर चुनिंदा लोगों को प्राथमिकता देने और नियमों के समान रूप से पालन नहीं करने के आरोप लगाए। इसके चलते सेंटर परिसर में काफी देर तक असहज स्थिति बनी रही। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जैसे महत्वपूर्ण संस्थान में कार्यक्रमों के संचालन और प्रबंधन में पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। उनका कहना था कि किसी भी संस्था में व्यक्तिगत पसंद-नापसंद के बजाय निष्पार्ति नियमों और प्रक्रियाओं के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। हंगामे के दौरान सेंटर की व्यवस्थाओं को लेकर भी सवाल उठाए गए। आरोप लगाया गया कि आयोजन संबंधी समन्वय, प्रवेश व्यवस्था और अन्य सुविधाओं में पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे कार्यक्रमों में आने वाले लोगों को परेशानी होती है।

‘बेहतर बीज से बढ़ेगी सरसों की उपज’

जयपुर/सीकर। सरसों की बुवाई का समय नजदीक है। ऐसे में किसानों के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले बीज का चयन और वैज्ञानिक तरीके से खेती करना उपज व आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। एफआईसी सी सी आई- सी सी एस एनआईएमपी की ‘भारत के सरसों क्षेत्र की क्षमता का दोहन: प्रौद्योगिकी, उत्पादकता और किसान समृद्धि रिपोर्ट’ में राजस्थान और हरियाणा की सरसों खेती का अध्ययन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सरसों उत्पादन बढ़ाने के लिए रकबा बढ़ाने के बजाय प्रति हेक्टेयर उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देना जरूरी है। राजस्थान में सरसों की उपज 2021-22 में 1716 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से घटकर 2025-26 में 1552 किलोग्राम रह गई, जबकि हरियाणा में 1914 से बढ़कर 2,146 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई। राजस्थान के किसानों के अनुभवों में भी संकर बीज के फायदे सामने आए हैं।

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 80 लाख रु. साइबर ठगी में एक और बदमाश गिरफ्तार

जयपुर । अजमेर निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका को डिजिटल अरेस्ट का भय दिवाकर 80 लाख रुपए ठगने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के खिलाफ केंद्रीय साइबर पुलिस थाना (आर4सी) जयपुर ने कार्रवाई करते हुए फलोदी निवासी आरोपी बजरंग को गिरफ्तार किया है। वारदात के करीब दो साल बाद हुई इस गिरफ्तारी के साथ पुलिस इस मामले में अब तक गिरोह के 29 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) विजय कुमार सिंह ने बताया कि महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में साइबर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई। जांच में आरोपी की भूमिका बैंक खातों, सिम और उगी की रकम के लेनदेन से जुड़ी सामने आई। पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत में बताया था कि 14 नवंबर 2024 को उसके पास एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को पुलिस और साइबर अपराध शाखा का अधिकारी बताया। आरोपी ने महिला को डायक कि उसके पहचान दस्तावेजों का इस्तेमाल कर 25 बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन किया गया है।

झालाना का “राणा” कहा गया?

12 दिन बाद भी वन विभाग के हाथ खाली, सर्च ऑपरेशन जारी

—कार्यालय संवाददाता—

जयपुर। झालाना लेपर्ड सफारी की पहचान बन चुके लेपर्ड राणा के लापता होने के 12 दिन बाद भी वन विभाग को उसका कोई सुराग नहीं मिला है। बुधवार को वन विभाग की टीमें दिनभर झालाना जंगल के अलग-अलग हिस्सों में राणा की तलाश करती रही, लेकिन कोई ठोस संकेत नहीं मिला।

■ झालाना के जंगलों में उगी घनी घास में राणा की तलाश मुश्किल हुई. अब अतिरिक्त कैमरों से होगी निगरानी

लगातार तलाश के बावजूद राणा का पता नहीं चलने से वन्यजीव प्रेमियों की चिंता बढ़ गई है।राणा की तलाश के लिए डीएफओ आशीष व्यास, एसीएफ जितेंद्र सिंह शेखावत और रेंजर विजयपाल यादव के नेतृत्व में टीम ने जंगल के संभावित क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

एमएनआईटी के आसपास के क्षेत्र में भी वन विभाग की टीमें निगरानी कर रही हैं। विभाग अब राणा की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अतिरिक्त कैमरा ट्रैप लगाने की तैयारी कर रहा है।

बारिश के बाद बढ़ी घास बनी चुनौती

डीएफओ आशीष व्यास के अनुसार हाल में हुई बारिश के बाद झालाना जंगल में घास काफी बढ़ गई है। घनी और ऊंची घास के कारण लेपर्ड की तलाश चुनौतीपूर्ण हो गई है। जंगल का क्षेत्रफल



झालाना के जंगलों में लेपर्ड “राणा” की तलाश में वन विभाग की टीमें जुटी हुई हैं।

बढ़ा होने के कारण प्रत्येक हिस्से की निगरानी में भी समय लग रहा है। ऐसे में कैमरा ट्रैप और अन्य निगरानी माध्यमों से राणा की मौजूदगी का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

निगरानी और स्टाफ पर सवाल

राणा के लगातार लापता रहने के बीच झालाना जंगल की निगरानी व्यवस्था और स्टाफ की कमी का मुद्दा भी उठ रहा है। वन्यजीव प्रेमियों का कहना है कि जंगल में निगरानी व्यवस्था मजबूत करने के साथ स्टाफ की कमी दूर करने की जरूरत है।

वहीं सफारी ट्रैक के रखरखाव का काम भी किया जाना है। वन विभाग के अनुसार झालाना में निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। राणा की तलाश के लिए अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही स्टाफ की कमी दूर करने की दिशा में भी कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

झालाना की पहचान बन चुके राणा के 12 दिन से दिखाई नहीं देने के बाद वन विभाग लगातार सर्च ऑपरेशन चला रहा है। जंगल के विभिन्न हिस्सों के साथ एमएनआईटी क्षेत्र में भी निगरानी की जा रही है। कैमरा ट्रैप के जरिए उसकी गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास जारी है। फिलहाल राणा का कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

‘पीएम-जनमन से जनजातीय क्षेत्रों में विकास को गति’

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बारां जिले के किशनगंज, शाहबाद सहित 8 ब्लॉकों में सहरिया पीवीटीजी समुदाय को आवास, सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राजस्थान में सहरिया पीवीटीजी की आबादी करीब 1.30 लाख है, जो बारां की 149 ग्राम पंचायतों के 324 राजस्व गांवों में निवास करती है।पीएम-जनमन के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में 14,671 आवास पूर्ण हो चुके हैं। 4 हजार से अधिक परिवारों को नल कनेक्शन और 16 हजार से अधिक पात्र वंचित परिवारों को विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए 22 सड़कों का काम भी पूरा हो चुका है।

पीएम-जनमन के तहत 15 मल्टीपर्पज सेंटर, 51 आंगनबाड़ी केंद्र और 51 वन-घन केंद्र संचालित हैं। दो छात्रावासों का कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 19 अन्य छात्रावास जून 2027 तक पूरे किए जाएंगे। आरएसएसएलडीसी ने 621 लोगों को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की 8 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएनयू) दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों में सेवाएं दे रही हैं।

एसआईआर और “वोट चोरी” के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

10 अक्टूबर को 50 हजार कार्यकर्ता करेंगे दिल्ली कूच : डोटासरा

जयपुर (कांस)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ी और वोट चोरी के आरोपों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत गुरुवार को प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन हुए। जयपुर में शहर कांग्रेस की ओर से कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी और वामदलों के कार्यकर्ताओं ने भी हिस्सा लिया।

प्रदर्शन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली, प्रदेश प्रभारी पुखराज पाराशर, पूर्व मंत्री बीडी कल्ला, विधायक रफीक खान सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे। करीब डेढ़ घंटे तक केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शन के चलते कलेक्ट्रेट के आसपास यातायात प्रभावित रहा और जाम की स्थिति बन गई।

प्रदर्शन के बाद डोटासरा और जुली ने कार्यकर्ताओं से 10 अक्टूबर को दिल्ली कूच करने का आ न किया। डोटासरा ने कहा कि दिल्ली में आंदोलन कर रहे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के साथ सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जा रहा है। राहुल गांधी केवल कथित वोट चोरी की जांच और दौधियों को हटाने की मांग कर रहे हैं। उनकी बात सुनी जानी चाहिए।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि

कांग्रेस का चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन सुर्खियों में बने रहने की कोशिश : मदन राठौड़

जयपुर, । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिल्ली में कांग्रेस के चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कहा कि यदि कांग्रेस को आयोग से शिकायत है तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत 5 से 7 लोगों का प्रतिनिधिमंडल समय लेकर अधिकारियों से मिल सकता है। इसके बजाय 300-400 लोगों को लेकर प्रदर्शन करना केवल राजनीतिक नौटंकी और सुर्खियों में बने रहने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रदर्शन से न तो निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होगी और न चुनाव प्रक्रिया पर कोई प्रभाव पड़ेगा। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास रखते हुए निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखे। उन्होंने आरोप लगाया कि विरोध प्रदर्शनों के जरिए जनता में भ्रम पैदा करने और उसे भड़काने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी के व्यवहार पर सवाल

राठौड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के महिला पुलिसकर्मी के साथ व्यवहार को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं से मर्यादित और गरिमापूर्ण आचरण की अपेक्षा होती है। महिला पुलिसकर्मी की पीठ पर हाथ रखने को उन्होंने

शिखर सम्मेलन में शामिल हुई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अरपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित विभागीय शिखर सम्मेलन में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों में महिला सशक्तिकरण, बाल कल्याण, बालिका शिक्षा, पोषण एवं आंगनबाड़ सेवाओं के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों और

■ भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि, “300-400 लोगों के साथ प्रदर्शन राजनीतिक नौटंकी है।” उन्होंने राहुल गांधी के द्वारा महिला पुलिसकर्मी से व्यवहार पर भी सवाल उठाए।

निंदनीय बताते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार संस्कारों और मर्यादा के अभाव को दर्शाता है।

राठौड़ कांग्रेस की एकजुटता पर निशाना साधा

कांग्रेस नेताओं के एकजुटता के दावों पर मदन राठौड़ ने कहा कि “हम सब एक हैं” कहने की जरूरत उसी को पड़ती है, जिसके मन में संदेह होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता एक फोटो फ्रेम के लिए साथ खड़े हो रहे हैं, जबकि उनके बयानों और गतिविधियों से पार्टी के भीतर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो रही है। रंधावा द्वारा सचिन पायलट से बयान देने की बात और मना करने पर उन्हें पकड़कर लाने की चर्चा का हवाला देते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस नेता सचिन पायलट को बच्चा समझते है।

शिखर सम्मेलन में शामिल हुई उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

नवाचारों को साझा किया।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मातृशक्ति को सशक्त बनाने, बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने तथा बच्चों के स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने राजस्थान सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रदेश की हर बेटी को शिक्षा और

‘क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं?’

उन्होंने कहा कि 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा आंदोलन होगा। डोटासरा ने दावा किया कि राजस्थान से करीब 50 हजार कार्यकर्ता दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि आंदोलन इतना बड़ा होगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस्तीफा तक देना पड़ा सकता है।

‘क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं?’

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने कहा कि देश के नेता प्रतिपक्ष के साथ मारपीट और धक्का-मुक्की की जा रही है तथा उन्हें सड़कों पर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल किया, क्या चुनाव आयुक्त विदेशी हैं, जो उनसे नहीं मिल सकते? जुली ने कहा कि देश का आम जनप्रतिनिधि और आम नागरिक भी चुनाव आयोग जाकर मिल सकता है।

जुली ने आरोप लगाया कि मोदी

जर्जर बालगृह में रह रहे 80 बच्चों को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग

पीडब्ल्यूडी ने भवन को “उपयोग के लिए असुरक्षित” बताया, हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर

जयपुर। सेटी कॉलोनी स्थित सरकारी ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी और स्पेशल होम की जर्जर इमारत में रह रहे करीब 80 बच्चों की सुरक्षा का मामला राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ में पहुंच गया है। एडवोकेट वैष्णवी के माध्यम से अनंत मिश्रा ने जनहित याचिका दायर कर बच्चों को तत्काल सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की है। मामले में एडवोकेट वैष्णवी और एडवोकेट अनुतोष मिश्रा पीटीशनर की ओर से काउंसिल हैं। इस प्रकरण पर 5 अक्टूबर को न्यायाधीश महेन्द्र गोयल व न्यायाधीश भुवन गोयल ने सुनवाई की थी। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

ज्ञात रहे कि अनंत मिश्रा अक्टूबर 2024 से डीएलएमएय जयपुर में असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल हैं। उन्होंने 15 सितंबर 2026 को सात लॉ इंटरन्स के साथ परिसर का निरीक्षण किया था। याचिका के अनुसार परिसर में ऑब्जर्वेशन होम, प्लेस ऑफ सेफ्टी, स्पेशल होम और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड-1 व 2 संचालित हैं। यहां करीब 80 चिल्ड्रन इन कॉन्प्लेक्ट विद लॉ रहते हैं।

पीडब्ल्यूडी रिपोर्ट में दरारें, कमजोर नींव और खुली सरिया

याचिका में 26 मई 2026 को पीडब्ल्यूडी कमेटी की निरीक्षण रिपोर्ट का हवाला दिया गया है। इसमें भवन की स्ट्रक्चरल कंडीशन गंभीर बताते हुए कई हिस्सों में दरारें, कमजोर फाउंडेशन, जंग लगी खुली सरिया, बारिश के पानी का रिसाव तथा जर्जर प्लास्टर व टाइल्स का उल्लेख है। दीवारों में करीब डेढ़ से दो इंच तक चौड़ी दरारें भी बताई गई हैं। सीवर, टॉयलेट और बाथरूम की खराब स्थिति से सफाई व स्वास्थ्य को लेकर भी चिंता जताई गई। 10 जून 2026 की रिपोर्ट में भवन को डिलैपिडेटेड और स्ट्रक्चरल रूप से वीक बताते हुए उपयोग के लिए असुरक्षित बताया गया। इसके बाद 11 जून को ऑब्जर्वेशन होम के सुपरिंटेंडेंट ने संबंधित विभाग को पत्र लिखकर बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे दूसरी जगह शिफ्ट करने का अनुरोध किया और दुर्घटना की आशंका जताई।

300 कि.मी. पीछा कर दो वाहन चोर दबोचे

जयपुर। आमेर पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खिंचने के बाद चोरी किए गए महिंद्रा ट्रैक्टर-टैंकर का करीब 300 किलोमीटर तक पीछा किया और भीलवाड़ा से दोनों आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर-टैंकर बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर उतर करन शर्मा ने बताया कि आमेर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पीपूष खोपर (32) निवासी रामगंज जयपुर तथा कैलाश मीणा (41) निवासी आमेर जयपुर को गिरफ्तार किया गया है।

शोक जताया

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारतीय फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बागडे ने कहा कि नाना पाटेकर केवल अभिनेता ही नहीं थे वह समाज को जागरूक करने, राष्ट्र प्रेम जगाने से जुड़े अहम व्यक्तित्व थे। उनका निधन हिंदी और मराठी फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.रमेश जैन का निधन

जयपुर । राजस्थान में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुस्वार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में

कार्य किया। वर्ष 1981 से 1988 तक राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्राचार अध्ययन संस्थान में पत्रकारिता विभाग के प्रभारी एवं सहायक प्रोफेसर रहे और पत्रकारिता में पीजी डिप्लोमा शुरू कराया। 1988 से 2002 तक वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में विभागाध्यक्ष रहते हुए बीजेएमसी, एमजेएमसी और पत्रकारिता एवं जनसंचार में पीएचडी पाठ्यक्रम शुरू कराए। प्रो. जैन ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में

जयपुर। वेलोफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कोटवाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटाना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने,



अधिकारियों को शिकायत देने के बाद हाईकोर्ट पहुंचे

याचिका के अनुसार 18 सितंबर 2026 को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और कमिश्नर, डायरेक्टोरेट ऑफ चाइल्ड राइट्स को भी रिप्रेजेंटेशन देकर बच्चों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की गई, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

याचिका में जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 के तहत बच्चों के बेस्ट इंटेरेस्ट, सुरक्षा, गरिमा और सुरक्षित वातावरण के प्रावधानों तथा राजस्थान हाईकोर्ट के 27 जनवरी 2016 के निर्देशों का हवाला दिया गया है। हाईकोर्ट से तीनों संस्थानों को तत्काल सुरक्षित और उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने तथा सुनवाई के दौरान अंतरिम रूप से बच्चों को सुरक्षित जगह शिफ्ट करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा फोटोजर्नलिज्म की कसौटी : मंत्री खर्वा



जयपुर। यूडीएफ मंत्री झावर सिंह खर्वा ने कहा कि सोशल मीडिया और एआई के बढ़ते प्रभाव के दौर में फोटोजर्नलिज्म में सकारात्मक नजरिया और सत्यनिष्ठा बनाए रखना जरूरी है। वे ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से आरआईसी में आयोजित 12वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जेन जी फोटोजर्नलिस्टों से नकारात्मक नजरिए से दूर रहने का आग्रह किया। सेमिनार में इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार ने पत्रकारों और फोटोजर्नलिस्टों के लिए आत्मरक्षा को प्राथमिकता देने की बात कही। डॉ. रमा

माया सोलंकी ने ईमानदारी और गहन अध्ययन को सफलता का आधार बताया। अयोध्या प्रसाद गौड़ ने एआई से तैयार फर्जी फोटो और समाचार सामग्री से सावधान रहने की सलाह दी। दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर मुकेश माथुर ने कहा कि ग्राउंड रिपोर्टिंग, साक्षात्कार और फोटोग्राफी में मानवीय भूमिका को एआई प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। हेमजीत मालू, पुरुषोत्तम दिवाकर, धरम कुलरिया, अंशुमान शास्त्री, नीरू यादव और विशाल स्वामी ने भी फोटोजर्नलिज्म में तकनीकी बदलाव और नए आयामों पर विचार रखे। सोसायटी की डायरेक्टर लीला दिवाकर ने आभार जताया।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो.रमेश जैन का निधन

जयपुर । राजस्थान में पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षा के पुरोधा, शिक्षाविद्, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रो. रमेश जैन का 84 वर्ष की आयु में बुधवार रात निधन हो गया। गुस्वार को उनके अंतिम संस्कार में पत्रकारिता एवं उच्च शिक्षा जगत से जुड़े लोगों, विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धांजलि दी। प्रो. जैन राजस्थान में पत्रकारिता शिक्षा के प्रथम प्रोफेसर रहे। राजस्थान विश्वविद्यालय तथा वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा में पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के अध्यक्ष रहे। उनका पत्रकारिता जीवन 1967 में दैनिक राष्ट्रदूत से शुरू हुआ। इसके बाद हिन्दुस्तान समाचार समिति, जयपुर और नई दिल्ली में समाचार सम्पादक (डेस्क इंचार्ज) के रूप में

एसआईआर की निष्पक्ष जांच की मांग

जयपुर। वेलोफेयर पार्टी ऑफ इंडिया, राजस्थान ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और मतदाता सूची में बदलावों को लेकर पारदर्शिता व जवाबदेही की मांग की है। पार्टी अध्यक्ष नरेंद्र सिंह कोटवाल ने कहा कि मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियाद है और किसी पात्र नागरिक का नाम हटाना उसके मतदान के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करता है। उन्होंने एसआईआर के दौरान पुराने दस्तावेज और रिकॉर्ड जुटाने,

विशेषकर 2002 की मतदाता सूची के आधार पर पात्रता साबित करने की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग से स्पष्ट जवाब मांगा। पार्टी ने सवाल उठाया कि यदि पात्र नागरिक को बाद में नाम दोबारा जुड़वाने का अवसर दिया जा सकता है तो पहले नाम हटाने की जरूरत क्यों पड़ी। प्रदेश अध्यक्ष वकार अहमद ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और ‘वोट चोरी’ के आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष व विश्वसनीय जांच की मांग की।

देवपितृकार्य अमावस्या पर जगदीश धाम कैमरी में होंगे धार्मिक कार्यक्रम

नादौती । देवपितृकार्य अमावस्या पर्व के अवसर पर जगदीश धाम कैमरी में धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत अमावस्या से एक दिन पूर्व भगवान जगदीश जी की सात कोस नि:शुल्क पद परिक्रमा शुक्रवार की महंत मनोज शास्त्री के सानिध्य में प्रातः वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ रथ एवं झंडा पूजन कर सुबह सवा आठ बजे खाना होगा। वहीं जगदीश मंदिर में श्रद्धालु सुरेन्द्र सिंह पुत्र दयाराम निवासी नौरंगाबाद चाँदनगांव एवं हरकेश खटाना व्याख्याता पुत्र गिरांज पटेल पीडेका परिवार कैमरी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान को पोशाक अर्पित की जाएगी और अटका महाप्रसादी अर्पित करने वाले कैप्टन शिवसिंह पुत्र शिवध्यान सिंह तिघरिया, कैप्टन उदयराम खटाना पुत्र शिवलाल पटेल हवेत्ल्या बाडा वाजिंदपुर, महेश कुमार पुत्र रामकल्याण पटेल रणजीत परिवार बाडा वाजिंदपुर, हरकेश व्याख्याता पुत्र गिरांज पटेल पीडेका परिवार कैमरी की ओर से भगवान के प्रांगण में हवन पूजन किया जाएगा ।

मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष घनश्याम खटाना ने बताया कि पद परिक्रमा का शुभारंभ श्री जगदीश मंदिर कैमरी से होगा। यात्रा कैमरी से बाडा होते हुए बाड़वां पहुँचेगी, जहाँ श्रद्धालुओं के लिए दोपहर के भोजन की व्यवस्था बाढ़ बालाजी मंदिर कमेटी एवं समस्त ग्रामवासियों की ओर से की गई है।

वन्यजीव सप्ताह का समापन समारोह आयोजित

सवाई माधोपुर। वन्यजीव सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का समापन समारोह राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक इतिहास संतोहालय, सवाई माधोपुर में समारोहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता एवं प्रकृति के प्रति विद्यार्थियों और आमजन की भागीदारी को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। समापन समारोह में मुख्य वन संरक्षक शारदा प्रताप सिंह, जिला कलेक्टर श्री कानाराम, उप वन संरक्षक सवाई माधोपुर सुनील, उप वन संरक्षक रणथम्भौर टाइगर रिजर्व मानस सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मोहित सहित दिनेश जांगिड उपस्थित रहे।

वन्यजीव सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों के लिए विभिन्न चित्रकला, निबंध, प्रस्नोत्तरी एवं अन्य जागरूकता संबंधी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समापन समारोह के दौरान प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एवं विजेता विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया

ई-पाठशाला में मोबाइल व कम्प्यूटर से घर बैठे जुड़ सकेंगे छात्र-छात्राएं

गंगापुर सिटी । माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान ने शैक्षणिक सत्र 20२६-२७ में कक्षा ९वीं से १२वीं तक के विद्यार्थियों के लिए ई-पाठशाला डिजिटल शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत विद्यार्थियों में नियमित पढाई के साथ विद्यार्थियों को डिजिटल माध्यम से पुस्तक अध्ययन सामग्री और लाइव कक्षाओं की सुविधा मिलेगी। इसका संचालन स्कूल शिक्षा विभाग और डिजिटल पाठरंज मिशन ज्ञान के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सोमवार से शुक्रवार तक ४ से रात ८ बजे तक विषयवार लाइव कक्षाएं लॉगेंगी। विद्यार्थी मोबाइल, कंप्यूटर या अन्य उपलब्ध डिजिटल साधनों के माध्यम से घर बैठे कक्षाओं से जुड़ेंगे। जो विद्यार्थी लाइव कक्षा में शामिल नहीं हो सकेंगे, वे बाद में यूट्यूब अथवा मिशन ज्ञान ऐप पर

इसके बाद पदयात्रा बड़ी घमाडी, मेढ़ का पूरा, बेड़े का पूरा, ककला, बिलाई, रलावता, खेडला, खेडली, तेसगांव एवं बड़गांव सहित विभिन्न मार्गों से होकर पुनः श्री जगदीश मंदिर कैमरी पहुँचेगी, जहाँ श्रद्धालुओं के लिए रात्रि विश्राम की व्यवस्था रहेगी। मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम खटाना व सचिव रामविलास धमाडी ने बताया कि शुक्रवार शाम आरती के उपरांत भगवान को झंडा अर्पित किया जाएगा तथा शनिवार सुबह अमावस्या पर्व पर मंगला आरती के उपरांत भगवान जगदीश जी को अटका महाप्रसादी का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके पश्चात महाप्रसादी श्रद्धालुओं में वितरित की जाएगी।

ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र खटाना कैमरी के अनुसार इस धार्मिक आयोजन में आसपास के गाँवों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है। यात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, जयकारों एवं धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालु भगवान जगदीश जी की आराधना करेंगे। उन्होंने बताया कि मंदिर ट्रस्ट की ओर से नि:शुल्क चिकित्सा सेवा, यात्रा मार्ग पर पेयजल, विश्राम एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। ट्रस्ट प्राधिकारियों ने समस्त श्रद्धालुओं से समय पर पहुँचकर यात्रा में सहभागिता निभाने और धार्मिक आयोजन को सफल बनाने का आठाह किया है।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट आने पर किया सम्मान

गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संतोषित करते हुए कहा कि वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। विद्यार्थियों में प्रकृति एवं वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने से संरक्षण के प्रयासों को दीर्घकालिक मजबूती मिलती है। कार्यक्रम में वन्यजीव संरक्षण के महत्व, रणथम्भौर की जैव विविधता तथा प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए जनभागीदारी की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित अधिकारियों ने विद्यार्थियों को प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण के लिए जागरूक नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने का आ न किया समारोह के अंत में प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों एवं आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों तथा अन्य सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

रिकाडॅड वीडियो के जरिए पढाई कर सकेंगे। लाइव कक्षाओं में शंका समाधान की भी सुविधा रू मिशन ज्ञान की ओर से विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर इंटरएक्टिव लाइव डाउट सॉल्विंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे।

सुबह मिलेंगे कक्षा के लिंक और नोट्स । विद्यार्थियों को सुविधा के लिए रोजाना की लाइव कक्षाओं के लिंक, पीडीएफ नोट्स और समरी शीट सुबह ही ई-पाठशाला सोशल मीडिया चैनलों तथा विद्यालयों के स्माइल ग्रुप के माध्यम से भेजे जाएँगे। इसके अलावा मिशन ज्ञान ऐप और यूट्यूब पर भी अध्यापवार अध्ययन सामग्री उपलब्ध रहेगी। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक शिक्षा पद्धति से जोड़ना है जिससे आने वाले समय में वे डिजिटल कक्षाओं से रूबरू हो सकें।

हिण्डौन सिटी। बीकानेर में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान संगोष्ठी –२०२६ के राज्य स्तरीय आयोजन में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, हिण्डौन सिटी के विद्यार्थी अंश गुप्ता ने सहभागिता कर विद्यालय एवं करौली जिले का प्रतिनिधित्व किया। संगोष्ठी का विषय भारतीय ऊर्जा परिदृश्य २०४७: संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ रहा।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से चर्चनित विद्यार्थियों ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विषय पर अपनी वैज्ञानिक सोच, ज्ञान एवं प्रस्तुतीकरण क्षमता का प्रदर्शन किया। अंश गुप्ता ने भी निर्धारित विषय पर प्रभावी प्रस्तुति देते हुए प्रतियोगिता में सहभागिता की।

विद्यालय के संस्था प्रधान प्रकाश

नायला बाबा के वार्षिक मेले में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

■ सुबह से दर्शन के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतारें

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। कई श्रद्धालु परिवार सहित बाबा के दर्शन करने पहुँचे। श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर खीर-पुर्ण की प्रसादी टाहण की। सेवा समिति के कार्यकर्ताओं एवं धर्मप्रेमी लोगों ने श्रद्धालुओं को प्रसादी परोसी। भंडारे के

मेले के अवसर पर श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में पहुँचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं

हिंडौन-गंगापुर सिटी मुख्य मार्ग पर जाम,एंबुलेंस फंसी

वजीरपुर। उपखंड क्षेत्र से गुजरने वाले हिंडौन-गंगापुर सिटी मुख्य मार्ग पर आए दिन वाहनों का जाम लगने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग पर वातायत का दबाव अधिक होने के कारण कई बार वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। जाम में एंबुलेंस के फंसे से मरीजों को समय पर अस्पताल पहुँचाने में भी परेशानी होती है । रिकू, भूरा, अमित, नेमी आदि ने बताया कि जाम की समस्या को लेकर संबंधित विभाग की ओर से पूर्व में बाइपास रोड का सर्वे भी कराया जा चुका है, लेकिन सर्वे के बाद भी समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्य शुरू नहीं हुआ।

लोगों का कहना है कि मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुधारने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कई बार उपखंड अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी मार्ग से पिरता रोड की ओर जाने वाला रास्ता भी जुड़ा हुआ है, जहां मुख्य स्वास्थ्य केंद्र स्थित है।

लोगों का कहना है कि मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुधारने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कई बार उपखंड अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी मार्ग से पिरता रोड की ओर जाने वाला रास्ता भी जुड़ा हुआ है, जहां मुख्य स्वास्थ्य केंद्र स्थित है।

हिंडौन सिटी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में जीवन कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। इसके तहत २०२६-२७ में राजस्थान सरकार द्वारा लिंग भेद कम करने ,शिक्षा में उत्कृष्ट लाने एवं जीवन कौशल आधारित शिक्षा के लिए, किशोर किशोरियों को सीखने के समान अवसर प्रदान करने हेतु ,बालिकाओं के नामांकन, ठहराव एवं कक्षा १२ तक शिक्षा पूर्णता के लिए, समग्र शिक्षा के अंतर्गत किशोरी मेला का आयोजन किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने सतत विकास लक्ष्य २०३० निर्धारित किए हैं ,जिसमें समान्वेशी, न्यायसंगत एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर प्रदान करना, लैंगिक समानता हासिल करना एवं बालिकाओं को सशक्त करना ये विकासलक्ष्य लक्ष्य निर्धारित किये है इसके अन्तर्गत किशोर किशोरियों की असौमित ऊर्जा को,विश्वसात्मक ,विरोधपूर्ण गतिविधियों से हटाकर स्टीलों पर प्रतियोगियो द्वारा प्रदर्शित मॉडल,चार्ट एवं अन्य सामग्री का निरीक्षण व मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में परिणाम की घोषणा करते हुए श्री रमाकांत गुर्जर एवं विनोद कुमार जाट ने बताया कि माध्यमिक स्तर पर जोन १ हिंदी में संजना सैनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहन नगर हिंडौन में किया गया। जिसमें प्रारंभिक एवं माध्यमिक श्रेणी के पृथक पृथक १८ विद्यालयों से विद्यार्थियों ने प्रथम पुरस्कार विजेता प्रतियोगियों ने भाग लिया। प्रारंभिक शिक्षा में ३९ माध्यमिक में १९ कुल ५८ प्रतियोगी

■ सुबह से दर्शन के लिए लगी श्रद्धालुओं की कतारें

मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। कई श्रद्धालु परिवार सहित बाबा के दर्शन करने पहुँचे। श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में भक्ति गीतों और बाबा के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर खीर-पुर्ण की प्रसादी टाहण की। सेवा समिति के कार्यकर्ताओं एवं धर्मप्रेमी लोगों ने श्रद्धालुओं को प्रसादी परोसी। भंडारे के

करौली जिले के ६२२ एथलीट दिखाएंगे दमखम

करौली । ७०वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ ९ अक्टूबर को पीएम श्री स्वतंत्रता सेनानी चिरंजीलाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में होगा। १७ एवं १९ वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में जिलेभर से कुल ६२२ एथलीट प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह है तथा विद्यालय स्तर पर चर्चनित खिलाड़ी विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता संयोजक एवं प्रधानाचार्य देवेन्द्र कुमार पाराशर तथा शारीरिक शिक्षा के व्याख्याता वीरेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि १७ वर्ष आयु वर्ग में २३७ छात्र एवं १७० छात्राओं सहित कुल ४०७ खिलाड़ी पंजीकृत हैं। वहीं १९ वर्ष आयु वर्ग में १३६ छात्र एवं ७७ छात्राओं सहित कुल २१५ खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस प्रकार दोनों आयु वर्गों में कुल ६२२ खिलाड़ी

लोगों का कहना है कि मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुधारने और जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कई बार उपखंड अधिकारी सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसी मार्ग से पिरता रोड की ओर जाने वाला रास्ता भी जुड़ा हुआ है, जहां मुख्य स्वास्थ्य केंद्र स्थित है।



जीवन कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दिया ।

इस मेले में सहभागी थे। साथ ही उनके प्रभारी शिक्षक ,निर्णायक ,पेंडल के सदस्य साधना मित्तल प्रधानाचार्य ,सत्येंद्र गुप्ता प्रधानाचार्य, , कृष्ण बिहारी पाठक व्याख्याता एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमाकांत गुर्जर ,संदर्भ व्यक्ति विनोद कुमार जाट ,लैण्ट्रन सिंह सोलंकी आदि ने विभिन्न स्टॉलों पर प्रतियोगियो द्वारा प्रदर्शित मॉडल,चार्ट एवं अन्य सामग्री का निरीक्षण व मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में परिणाम की घोषणा करते हुए श्री रमाकांत गुर्जर एवं विनोद कुमार जाट ने बताया कि माध्यमिक स्तर पर जोन १ हिंदी में संजना सैनी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहन नगर हिंडौन में किया गया। जिसमें प्रारंभिक एवं माध्यमिक श्रेणी के पृथक पृथक १८ विद्यालयों से विद्यार्थियों ने प्रथम पुरस्कार विजेता प्रतियोगियों ने भाग लिया। प्रारंभिक शिक्षा में ३९ माध्यमिक में १९ कुल ५८ प्रतियोगी

दौरान सेवा और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन में युवाओं सहित ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया।श्रद्धालुओं का कहना था कि नायला बाबा के दरबार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना से मन को शांति और आत्मिक संतोष मिलता है। वार्षिक मेले के दौरान दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं में भी बाबा के प्रति गहरी आस्था देखने को मिली। कई श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन के बाद प्रसादी टाहण की और आयोजन में सहयोग कर पुण्य लाभ अर्जित किया।धार्मिक आयोजन को लेकर गांव में भी उत्साह का माहौल रहा। सुबह से ही मंदिर परिसर एवं आसपास का क्षेत्र श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले

■ ७० वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आगाज आज ■ १२ अक्टूबर तक चलेगी प्रतियोगिता, दौड़ से लेकर लंबी कूद, भाला फेंक और रिले तक होंगे मुकाबले

विभिन्न स्पर्धाओं में अपना प्रदर्शन करेंगे। **दौड़ की स्पर्धाओं में दिखाएंगे रोमांच :**१२ अक्टूबर तक चलने वाली प्रतियोगिता में एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें १०० मीटर, २०० मीटर, ४०० मीटर, ८०० मीटर, १५०० मीटर तथा ३००० मीटर दौड़ के मुकाबले होंगे। इसके साथ ही १०० मीटर बाधा दौड़, ११० मीटर बाधा दौड़ और ४०० मीटर बाधा दौड़ में भी खिलाड़ी अपनी गति और तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। ३ किलोमीटर एवं ५ किलोमीटर वॉक प्रतियोगिता भी आकर्षण का केंद्र रहेगी।

सभी श्रद्धालुओं, ठाम्मीणों एवं धर्मप्रेमी बंधुओं का आभार जाता।

बाबा के नाम से जुड़ी अटूट आस्था : ग्रामीण अंचल में प्राचीन समय से मान्यता चली आ रही है कि सांप, बिच्छू या किसी जहरीले कीड़े के काटने पर बाबा के नाम का झाडा लगाने से रोगी को राहत मिलती है। इसी आस्था के चलते आज भी लोग संकट की घड़ी में बाबा के दरबार पहुंचते हैं। मान्यता है कि बाबा के नाम का जाप और झाडा लगते ही पीड़ित को आराम महसूस होने लगता है। पीड़ियों से चली आ रही यह परंपरा ग्रामीणों की बाबा के प्रति गहरी श्रद्धा और विश्वास को दर्शाती है। हालांकि जहरीले जीव के काटने पर चिकित्सकीय उपचार लेना भी जरूरी है।

■ ७० वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आगाज आज ■ १२ अक्टूबर तक चलेगी प्रतियोगिता, दौड़ से लेकर लंबी कूद, भाला फेंक और रिले तक होंगे मुकाबले

विभिन्न स्पर्धाओं में अपना प्रदर्शन करेंगे। **दौड़ की स्पर्धाओं में दिखाएंगे रोमांच :**१२ अक्टूबर तक चलने वाली प्रतियोगिता में एथलेटिक्स की विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। इनमें १०० मीटर, २०० मीटर, ४०० मीटर, ८०० मीटर, १५०० मीटर तथा ३००० मीटर दौड़ के मुकाबले होंगे। इसके साथ ही १०० मीटर बाधा दौड़, ११० मीटर बाधा दौड़ और ४०० मीटर बाधा दौड़ में भी खिलाड़ी अपनी गति और तकनीक का प्रदर्शन करते नजर आएंगे। आयोजकों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

शिविर में ५५ रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

भरतपुर (निसं)। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला भरतपुर के तत्वावधान में होटल ओम कॉम्प्लेक्स में एक विशाल रक्तदान शिविर एवं भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. नरेंद्र अठावाल ने किया। शिविर में कुल ५५ रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का अनुपम संदेश दिया। शिविर में सम्मेलन के संरक्षक एवं पूर्व विधायक विजय बंसल ने पहुंचकर सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें प्रशस्ति-पत्र व उपहार भेंट कर सम्मानित किया। इस शिविर में सामाजिक समरसता की अनूठी मिसाल देखने को मिली, जहाँ वैश्य समाज के साथ-साथ ब्राह्मण, जाट और सैनी सहित अन्य समाजों के युवक-युवतियों ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में अठावाल समाज के जिलाध्यक्ष अतुल मित्तल, अखिल भारतीय अठावाल सम्मेलन के राष्ट्रीय उपा महामंत्री मनोज जंदेल, युवा प्रदेश महामंत्री मनोष गांधी, माहेरवरी समाज से ललित माहेश्वरी व मुकेश माहेश्वरी, युवा अठावाल समाज जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल, अध्यक्ष विजेंद्र मोहम्मद, जैन समाज से नमोज जैन, जायसवाल समाज से जितेंद्र जी तथा खंडेलवाल समाज से रमेश राह सहित विभिन्न समाजों के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे। शिविर की व्यवस्थाओं का सफल संयोजन युवा जिलाध्यक्ष जय बंसल एवं उनकी टीम द्वारा किया गया।

■ सार-समाचार भरतपुर में वृद्ध जनों का दुशाला ओढ़ाकर सम्मान

भरतपुर (निसं)। लायन सेवा सप्ताह के अंतर्गत लायंस क्लब भरतपुर द्वारा आनंद धाम वृद्धआश्रम मथुरा रोड भरतपुर पर वहां रह रहे वृद्ध जनों का दुशाला उढाकर सम्मान किया गया एवं उनको नाश्ता एवं भोजन प्रसादी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर लायन सेवा सप्ताह कन्वीनर लायन शिव शंकर बंसल द्वारा अपना उद्घोषण दिया गया एवं लायन राजेंद्र प्रसाद शर्मा द्वारा वृद्ध जनों के ऊपर अपने विचार व्यक्त किए गए अध्यक्ष हरिशंकर गोयल ने सर्विस वीक कन्वीनर शिव शंकर बंसल का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया एवं आज के कार्यक्रम संयोजक डॉ रजत आर्य का भी दुपट्टा पहनाकर कर सम्मान किया गया एवं वृद्ध आश्रम संचालक अनिल गोयल महंगये वालों को भी दुपट्टा पहनाकर कर सम्मान किया गया, आज के कार्यक्रम संयोजक रजत आर्य ने सभी लायन साथियों एवं आश्रम के स्टाफ को स्वल्पाहार कराया, सचिव सत्यदेव आर्य ने सभी साथियों एवं आश्रम संचालक का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर अध्यक्ष हरिशंकर गोयल, सचिव सत्यदेव आर्य, कोषाध्यक्ष मनोज झालानी, सेवा सप्ताह कन्वीनर शिव शंकर बंसल , कार्यक्रम संयोजक रजत आर्य , सतीश गुप्ता , राजेंद्र प्रसाद शर्मा , महेंद्र गोदी , उपस्थित रहे

कुएं में गिरने से पिता- पुत्र की मौत

गंगापु्र सिटी । बाढद्यामसर गांव में खेत में बने कुएं में गिरने से पिता और बेटे की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। घटना बुधवार देर शाम की है। पुलिस को दी रिपोर्ट में खेमराज ने बताया कि उसका भाई पुष्पजीरा खेत में बाजरे की फसल में काम कर रहा था। उसका ६ साल का बेटा मनीष उर्फ काड़ा कुएं के पास खेल रहा था। पुष्पजीरा उसे हटाने पहुंचा, तभी पैर फिसलने से वह बचचे सहित कुएं में गिर गया। आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों को हादसे की जानकारी हुई। पास के खेत में जुताई कर रहे श्यालाल ने परिजनों और गांव वालों को बताया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों को कुएं से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सदर थाना प्रभारी सुशीला मीना ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली। दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया

लायन्स क्लब बृज ने किया रक्तदान एवं मरीजों को फल वितरित

भरतपुर (निसं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के निर्देशानुसार विश्व भर मे चल रहे सेवा सप्ताह के अंतिम दिन लायंस क्लब भरतपुर बृज द्वारा रामकटोरी नेत्र चिकित्सालय मे मरीजों को फल वितरित किए। सेवा सप्ताह के दौरान क्लब के लायन अनूप सिंघल एवं लायन राकेश सिंघल ने भरतपुर ब्लड सेंटर सूरजपोली पर रक्तदान किया एवं क्लब द्वारा जरूरतमंद सुश कुमार कि बेटो कि १२वी तक कि पढाई की जिम्मेदारी का भी प्रण लिया। कार्यक्रम के चीफ कैबिनेट अवाइर्स लायन रामकुमार गुप्ता एवं जोन चेयरपर्सन लायन ओम प्रकाश गुप्ता मुख्य रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष मुकुल गोयल, पूर्व अध्यक्ष राकेश मित्तल, सचिव योगेश गोयल, प्रमेत्र गुप्ता, शरद बंसल, अनूप सिंघल, विष्णु मित्तल एवं कार्यक्रम संयोजक सुबोध आर्य एवं सत्य प्रकाश गोयनका उपस्थित रहे।

आपसी रंजिश में मारपीट, महिला की मौत हुई

गंगापुर सिटी । वजीरपुर उपखंड के मीना बडौदा गांव में एक महिला की मारपीट के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका के बेटे मेघ सिंह मीणा ने गुरुवार को वजीरपुर थाने में १५ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट के अनुसार ७ अक्टूबर की रात करीब ९ बजे कुछ लोग जनकबाई के घर आए। वह खाना बना रही थी। आरोप है कि उन्होंने महिला से गाली-गलौज की। मना करने पर आरोपियों ने उससे मारपीट शुरू कर दी। परिजनों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन हमलावर महिला को घर से करीब १५-२० मीटर दूर ले गए। वहां उसे कुल्हाड़ी, लोहे के पाइप और लाठी-डंडों से पीटा गया, जिससे हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। गंभीर हाहत में महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के बेटे की रिपोर्ट पर १५ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। थानाधिकारी राजवीर सिंह मामले की जांच कर रहे हैं।

अग्रवाल भवन ट्रस्ट ने साधु-संतों और जरूरतमंद लोगों को कराया भोजन

गंगापुर सिटी । अग्रवाल समाज समिति की ओर से श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत पुरानी अनाज मंडी स्थित श्री सीताराम मंदिर के अन्न क्षेत्र में भोजन सेवा की गई। अग्रवाल भवन ट्रस्ट अध्यक्ष मुकेश मित्तल ने बताया कि कार्यक्रम की शुआत साधु-संतों और जरूरतमंदों ने अन्न क्षेत्र व्याख्याक कालुराम अय्यापक के सानिध्य में श्रीराम कीर्तन से की। इसके बाद पंगत लगाकर सभी को भोजन कराया गया और पेंटर दी गई। इस अवसर पर अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष मोहन कुनकट, जिलाध्यक्ष गोविंद बरनाला, अग्रवाल शिक्षण संस्थान अध्यक्ष दीनदयाल मच्छीपुरा, महेंद्र गाँ, आमप्रकाश घी, आलोक मालधनी, नवल बाडासावंटा सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

आरक्षण अधिनियम में संशोधन की मांग को लेकर रक्त हस्ताक्षर अभियान १० को

गंगापुर सिटी । सवर्ण संघर्ष समिति की ओर से आरक्षण अधिनियम में संशोधन, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम-०३ समाप्त करने तथा विश्वविद्यालय अनुदान विधेयक- २०२६ वापस लेने की मांग को लेकर १० अक्टूबर को रक्त हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। समिति के अनुसार अभियान चौक वाले हनुमानजी मंदिर पर शाम ६ बजे से रात ९ बजे तक होगा। समिति ने सवर्ण समाज के लोगों से अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। इन मांगों को लेकर १२ अक्टूबर को अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी दिया जाएगा।

जनरल के. के. रेस्पवाल का भरतपुर व डींग जिले के पूर्व सैनिकों के साथ संवाद

भरतपुर (निसं)। जनरल के. के. रेस्पवाल का भरतपुर एवं डींग जिले के पूर्व सैनिकों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी विनोद कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान भूतपूर्व सैनिक संघ के अध्यक्ष जनरल के. के. रेस्पवाल पूर्व एवं जनरल सेक्रेटी का भरतपुर एवं डींग के सैनिकों की समस्याओं और आने वाली अन्य परेशानियों को लेकर बैठक महात्मा गांधी वेटरिनरी कॉलेज, आगरा रोड पर आयोजित की गई । इस बैठक में मुख्य रूप से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी एवं लाभकारी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई । इस मौके पर ईंसीएचएस अधिकारी कर्नल विजय सिंह डींग सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल मानवेंद्र सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये एवम् साथ ही, लीग के भविष्य के कार्यकलापों एवं गतिविधियों पर विचार-विमर्श भी किया गया । इस अवसर पर सभी गौरव सेनानियों एवं वीर नारियों ने बैठक में हिस्सा लिया । इस मौके पर उपस्थित

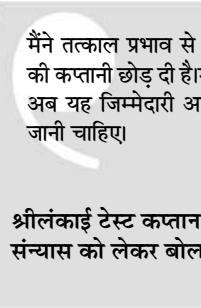
वीर नारियों को पुष्प एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया । इसके अतिरिक्त, सभी जिला पदाधिकारियों एवं तहसील अध्यक्षों से मुलाकात की एवं उनसे लीग के साथ मिलकर ज्यादा से ज्यादा सैनिकों को जोड़ने का निवेदन किया गया और जो नहीं आए हैं,

आम सूचना
आम जन को सूचित किया जाता है कि मेरा छोटा पुत्र अशोक सैनी उसकी पत्नी ज्योति सैनी पिछले काफी समय से मेरा और मेरे परिवार का कष्टा नहीं मानते है। उनका व्यवहार मेरे व मेरे परिवार के प्रति अपमान जनक है, समझाने पर लड़ाई-झगड़ा करते है। उनकी इन हरकतों से तंग व परेशान होकर मैंने मेरे पुत्र अशोक सैनी व उसकी पत्नी ज्योति सैनी को मेरी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति इनसे किसी भी प्रकार का संबंध या व्यवहार रखता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा, सूचित रहे।
भम्बदीय- रामकृष्ण सैनी पुत्र चूड़या सैनी निवासी महुँकाला गंगपुर सिटी (स.मा.)

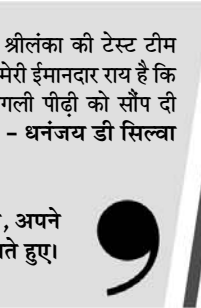


मैंने तत्काल प्रभाव से श्रीलंका की टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है।मेरी ईमानदार राय है कि अब यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंप दी जानी चाहिए।

- धनंजय डी सिल्व्वा



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



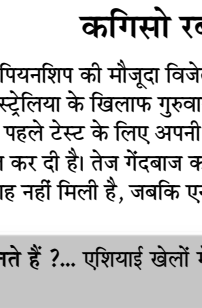
श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



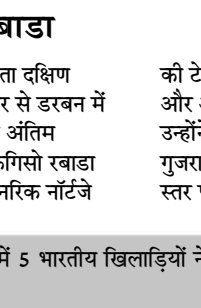
श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



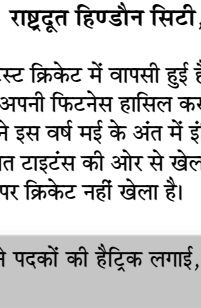
श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



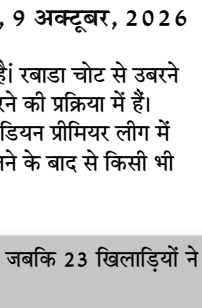
श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।



श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान, अपने संन्यास को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶



विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की मौजूदा विजेता दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से डरबन में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि एनरिक नॉटजे

क्या आप जानते हैं ? ... एशियाई खेलों में 5 भारतीय खिलाड़ियों ने पदकों की हैट्टिक लगाई, जबकि 23 खिलाड़ियों ने 2–2 पदक जीते।

कगिसो रबाडा

राष्ट्रदूत हिण्डौन सिटी, 9 अक्टूबर, 2026

5

अंडर-19 एशिया कप में भारत-पाक 8 नवंबर को

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने अंडर-19 एशिया कप 2026 का शेड्यूल जारी कर दिया है। टूर्नामेंट 5 नवंबर से ओमान में शुरू होगा और 14 नवंबर को फाइनल खेला जाएगा। इस बार 8 टीमें खिताब के लिए उतरेंगी और सभी मुकाबले मस्कट स्थित ओमान क्रिकेट अकादमी के ग्राउंड-1 और ग्राउंड-2 पर खेले जाएंगे। भारत अपने अभियान की शुरुआत 6 नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगी। इसके दो दिन बाद 8 नवंबर को पाकिस्तान से मुकाबला होगा। ग्रुप स्टेज में भारत का आखिरी मैच 10 नवंबर को यूएई के खिलाफ होगा। टूर्नामेंट 50-ओवर फॉर्मेट में होगा और कुल 15 मुकाबले खेले जाएंगे। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप- बी में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, श्रीलंका और मलेशिया शामिल हैं।

5 नवंबर को श्रीलंका-मलेशिया से शुरुआत

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 5 नवंबर को श्रीलंका अंडर -19 और मलेशिया अंडर -19 के बीच होगा। इसी दिन ग्रुप- बी में बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भी आमने-सामने होंगी। दोनों मुकाबले सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। श्रीलंका-मलेशिया मैच ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड-2 और बांग्लादेश-अफगानिस्तान मैच ओमान क्रिकेट अकादमी ग्राउंड-1 पर खेला जाएगा।

हीरानंद बने भारतीय वुशू संघ के निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष



जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष एवं जयपुर निवासी हीरानंद कटारिया को भारतीय वुशू संघ का निर्विरोध राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। मेरठ में 8 अक्टूबर को आयोजित भारतीय वुशू संघ की वार्षिक साधारण सभा में एक्ट-2025 के तहत चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी अजय बी. नायक की देखरेख में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ। भारतीय वुशू संघ के अध्यक्ष पद पर भूपेंद्र सिंह बाजवा, महासचिव पद पर सुहेल अहमद और कोषाध्यक्ष पद पर मुरलीधर चौधरी निर्विरोध निर्वाचित हुए। भारतीय ओलंपिक संघ के ऑनवर के रूप में अमिताभ शर्मा मौजूद रहे। कटारिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनें पर राजस्थान वुशू संघ के मुख्य संरक्षक विनोद सिंह शेखावत, संरक्षक राजाराम मील, गोपाल सैनी, राजकुमार शर्मा, भगवान सहाय जाटवा, चेयरमैन के.सी. घुमरिया, महासचिव ममता वर्मा, कोषाध्यक्ष विजय सिंह शेखावत सहित सके पदाधिकारियों ने बधाई दी।

सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए 18 सदस्यीय टीम घोषित



जयपुर, 8 अक्टूबर। झांसी (उत्तर प्रदेश) में आयोजित होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम दमखम दिखाएगी। हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष महिपाल सिंह ने बुधवार को प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की टीम की घोषणा की।अलवर के मनीष चौधरी को टीम की कप्तान, जबकि हनुमानगढ़ के लवीश को उपकप्तान बनाया गया है। हॉकी राजस्थान के महासचिव देवेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि टीम में लवीश, कुणाल कौंडल, अनुराग सुथार, मयूर टांक, साहिल राजोरिया, हरीप्रत सिंह, शैलेश पंचोली, अंकित रावत, गौरव भारद्वाज, मनोष गहलोत, आभिर, पवन कुमार यादव, हर्षवर्धन सिंह, नवीन, पुनीत, महिपाल सिंह, मनोष चौधरी और अभिषेक श्रोत्रिय को शामिल किया गया है। टीम के कोच रीतेश सैनी और मैनेजर चंद्रश शर्मा होंगे।

पीयूष की घातक गेंदबाजी, देवेंद्र शेखावत क्रिकेट वलब ने जीता मुकाबला



जयपुर, 8 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी को 86 रन से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब ने 37.5 ओवर में 191 रन बनाए। लोकेश ने 43 और आयुष प्रजापत ने 42 रन की उपयोगी पारियां खेलीं। जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की ओर से फरदान अली ने तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जानकीनंदन क्रिकेट अकादमी की टीम 36.2 ओवर में 105 रन पर ऑलआउट हो गई। युवराज ने सर्वाधिक 28 रन बनाए। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट क्लब की ओर से पीयूष सैनी और मुदित मोघाने ने तीन-तीन विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। शानदार गेंदबाजी के लिए पीयूष सैनी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी

सितांशु कोटक ने अनुभव और आईपीएल फॉर्म को बताया वजह

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। सहायक कोच सितांशु कोटक ने बुहस्पतिवार को यहां कहा कि भुवनेश्वर कुमार के अपार अनुभव और पिछले दो आईपीएल सत्र में उनकी शानदार फॉर्म ने उन्हें न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में वापस जगह दिलाई है। छत्तीस वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज आखिरी बार नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड सीरीज में भारत के लिए खेले थे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आरसीबी) के लिए शानदार प्रदर्शन के बाद भुवनेश्वर ने राष्ट्रीय टीम में वापसी की। उन्होंने 2025 और 2026 में आरसीबी की लगातार खिताबी

जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इन दो सत्र में 45 विकेट लिए थे (2025 में 17 और 2026 में 28)। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी पांच मैच की सीरीज के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। कोटक ने संकेत दिया कि चयनकर्ताओं को शायद युवा गेंदबाजी ग्रुप में अनुभव जोड़ने की जरूरत महसूस हुई होगी। कोटक ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संंध्या पर मीडिया से बातचीत में कहा, “चयनकर्ताओं पर निर्भर करता है। लेकिन मैं आपको अपनी सोच के आधार पर जवाब दे सकता हूं।

खेल मंत्रालय ने आईयूएसएफ को दी राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में अस्थायी मान्यता

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। खेल मंत्रालय ने भारत में विश्वविद्यालय खेलों के विकास के लिए भारतीय यूनिस्पोर्ट्स महासंघ को अस्थायी मान्यता प्रदान कर दी है। नवगठित संस्था के लिए संबद्धता की शर्तों में ढील दी गई है। इससे भारतीय विश्वविद्यालय संघ पर प्रश्नचिह्न लग गया है जिसको प्रशासनिक खामियों के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। आईयूएसएफ को राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप अपने संविधान में संशोधन करने और अगले छह महीनों में एफआईएसयू से मान्यता हासिल करने का निर्देश दिया गया है।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान के यथार्थ भारद्वाज का शानदार शतक

जयपुर, 8 अक्टूबर। बीसीसीआई की अंडर-23 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान को मध्य प्रदेश के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 6 रन से हार का सामना करना पड़ा। राजकोट में खेले गए मुकाबले में मध्य प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 351 रन बनाए। अर्णव शारदा ने 60 और सेजल भाड़े ने 51 रन बनाए। राजस्थान की ओर से अभिषेक मूंड और सुमित सैनी ने तीन-तीन तथा कुशग्र ओझा ने दो विकेट लिए।

जवाब में राजस्थान की टीम 50 ओवर में 8 विकेट पर 345 रन ही बना सकी।यथार्थ भारद्वाज ने शानदार 119 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि कुशग्र ओझा ने 83 रन बनाए। अभय शर्मा और रजत बघेल ने 38-38 रन का योगदान दिया। अभिषेक मूंड 20 और सुमित सैनी 13 रन बनाकर नाबाद रहे। मध्य प्रदेश के सुजन दकत ने दो विकेट लिए।

सीके नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम घोषित

राजस्थान सीनियर चयन समिति ने राष्ट्रीय अंडर-23 सीके

नायडू ट्रॉफी के लिए राजस्थान की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है।सिकर के हिमांशु नेहरा को टीम की कप्तान, जबकि आयुष अमेरिया को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अमोल चेलानी और मीनाफ शेख विकेटकीपर के रूप में शामिल हैं। राजस्थान अपना पहला मुकाबला 12 से 15 अक्टूबर तक हिमाचल प्रदेश के खिलाफ हिमाचल प्रदेश में खेलेगा। इसके बाद 19 से 22 अक्टूबर तक जयपुर में बंगाल से मुकाबला होगा।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित : हिमांशु नेहरा कप्तान, आयुष अमेरिया उपकप्तान, सौरभ गोदारा – अलवर, अमोल चेलानी (विकेटकीपर) – अलवर, दीपेंद्र सिंह – बाड़मेर, सचिन कैथ – भरतपुर, सर्वज्ञ पानेरी – भीलवाड़ा, जयवर्धन सिंह गेहलोत – भीलवाड़ा, आयुष अमेरिया (उपकप्तान) – जयपुर, पुरोहित चानन सिंह – जालौर, राजीव दुकतावा – जोधपुर, प्रणमय चपलोट – राजसमंद, पार्थ यादव – सीकर, अंकित रोहिल्ला – सीकर, हिमांशु नेहरा (कप्तान) – सीकर, करण सिंह राणावत – उदयपुर, मीनाफ शेख (विकेटकीपर) – उदयपुर।

दिल्ली में राजस्थान के निशानेबाजों का कमाल, जीते स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक इंडिया ओपन शॉटगन शूटिंग चैंपियनशिप में प्रदेश के खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



राजस्थान के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। क्ले पिजन स्कीट जूनियर एवं यूथ पुरुष वर्ग में तनुज राज सिंह ने दो रजत पदक जीते, जबकि महिला स्कीट स्पर्धा में प्रमदा राठीड़ ने रजत पदक हासिल किया। क्ले पिजन ट्रैप एनआर यूथ एवं जूनियर महिला वर्ग में इनाया यादव ने स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते। जूनियर पुरुष ट्रैप वर्ग में युगांधर देव सिंह ने रजत तथा यूथ पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। वहीं यूथ पुरुष वर्ग में सदव्यदक्ष ने स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का गौरव बढ़ाया। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में प्रिंस नंदवानी ने कांस्य और सूबी खान ने रजत पदक जीता। मास्टर्स पुरुष वर्ग में भवानी सिंह कालवी ने रजत तथा जितेंद्र सिंह सिसोदिया ने कांस्य पदक हासिल किया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने सभी पदक विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

खाकी अब घोड़े पर सवार, पोलो के मैदान में राजस्थान पुलिस की एंट्री

उद्घाटन मैच में ब्लू टीम ने रेड को 6-2 से हराया

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस ने खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए अपनी नवगठित घोड़सवारी पोलो टीम की शुरुआत की। राजस्थान पुलिस अकादमी के हॉकी ग्राउंड में गुरुवार को आयोजित समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बॉल रोलिंग कर टीम और उद्घाटन मुकाबले का शुभारंभ किया। इसके बाद टीम रेड और टीम ब्लू के बीच प्रदर्शन मैच खेला गया, जिसमें घोड़ों की रफ्तार और खिलाड़ियों के कौशल ने दर्शकों का रोमांच बढ़ाया। टीम ब्लू ने

शेजल को 6-2 से हराया। डीजीपी शर्मा ने कहा कि टीम को नियमित प्रशिक्षण और सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे तथा भविष्य में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उतारा जाएगा। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं मुख्य खेल अधिकारी रुपिंद्र सिंह ने बताया कि टीम को नियमित अभ्यास

आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची पी.वी. सिंधु, तन्वी शर्मा बाहर



वांता (फिनलैंड) , 8 अक्टूबर। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार को जापान की रिको गुंजी को हराकर आर्कटिक ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि तन्वी शर्मा को शीर्ष वरीयता प्राप्त थाईलैंड की रत्त्वानोक ईतानोन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने गुंजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 21-9, 21-12 से आसान जीत दर्ज की। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त ईतानोन से होगा। इस मुकाबले की विजेता खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाएगी।

ईतानोन ने दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी शर्मा को 21-18, 21-7 से हराया। तन्वी ने पहले गेम में चुनौती पेश की, लेकिन दूसरे गेम में ईतानोन ने दबदबा बनाते हुए सीधे गेम में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सिंधु और ईतानोन के बीच आमने-सामने के रिकॉर्ड में थाई खिलाड़ी का पलड़ा भारी है। दोनों के बीच अब तक 14 मुकाबले हुए हैं, जिनमें ईतानोन ने 10 और सिंधु ने चार मुकाबले जीते हैं। दोनों खिलाड़ियों की पिछली भिड़ंत 2022 में इंडोनेशिया मास्टर्स में हुई थी, जहां ईतानोन ने सिंधु को 21-12, 21-10 से हराया था।

देशभर के 500 खिलाड़ी जोधपुर में खेलेंगे साइकिल पोलो

जोधपुर, 8 अक्टूबर। जोधपुर में 15 से 18 नवम्बर तक राष्ट्रीय साइकिल पोलो प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता में देश के 20 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से करीब 500 खिलाड़ी, प्रशिक्षक, प्रबंधक एवं खेल अधिकारी भाग लेंगे। शिवराज सिंह के निर्देशन में आयोजित होने वाला यह आयोजन देश के सबसे बड़े साइकिल पोलो खेल आयोजनों में शामिल होगा। प्रतियोगिता में विश्व विजेता भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे।

राज्य विजेता जयपुर अंडर-17 बालिका टीम का सम्मान

जयपुर, 8 अक्टूबर। हाल ही में जोधपुर में संपन्न हुई 70वीं राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में जयपुर की अंडर-17 बालिका टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में जयपुर की टीम ने मेजबान जोधपुर को 2-1 से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं, अंडर-19 बालिका वर्ग में भी जयपुर टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और कांस्य पदक हासिल किया। जयपुर लौटने पर विजेता अंडर-17 टीम के खिलाड़ियों का जयपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया। संघ के



सचिव मनोज दासोत एवं सिलेक्शन कमेटी के वाइस चेयरमैन अतुल गुप्ता ने खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम की सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप योनेक्स टी-शर्ट एवं मोमेंटो भेंट किए गए।



15-7 से हराया। अंडर-17 मिश्रित युगल में आर्यन भट्टा और जोयल राना ने राजस्थान के अशुमान चौधरी और महाराष्ट्र की सरयू रंजाने को 15-9, 3-15, 15-12 से मात दी।

अंडर-15 बालिका एकल में केरल की शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिसा ने आंध्र प्रदेश की लक्ष्मी साई को 15-8, 18-16 से हराया, जबकि पंजाब की तीसरी वरीयता प्राप्त इनायत गुलाटी ने पश्चिम बंगाल की दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यामा चक्रवर्ती को 20-21, 15-11, 15-11 से शिकस्त दी। अंडर-17 बालिका सेमीफाइनल में

तमिलनाडु की लक्षा धनेश ने पंजाब की महविश कौर को 15-9, 15-8 से हराया। अंडर-15 बालक एकल के सेमीफाइनल में तमिलनाडु के लिनेश वैषभ और तेलंगाना के चिन्मय वानखेड़े ने जीत दर्ज की। अंडर-17 बालक एकल में तमिलनाडु के मोहित दर्शन मंदेश कुमार ने तेलंगाना के श्रीचेतन शर्मा को 15-11, 15-11 से पराजित किया।

सेमीफाइनल में हारने वाले खिलाड़ियों को भारतीय हैंडबॉल संघ के सचिव एवं साध्य एशियन हैंडबॉल कमेटी के चेयरमैन तेजराज सिंह, एसडीएमएच के प्रशासनिक अधिकारी जॉर्ज थॉमस तथा राजस्थान बैडमिंटन संघ के उपाध्यक्ष एवं जिला बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत ने पदक प्रदान किए। वयम लाम्बा और श्रेयांष चौधरी पिछले छह वर्षों से सवाई मानसिंह स्टेडियम में कोच यादवेंद्र सिंह शेखावत से प्रशिक्षण ले रहे हैं।

स्टर्नहेगन का पोलो में दमदार दांव, मेफेयर को हराकर फाइनल में एंट्री

सवाई मान गार्ड कप के पहले सेमीफाइनल में 10-8 से जीत, जोशुआ स्ज़ासर ने दागे 7 गोल

जयपुर, 8 अक्टूबर। वार्षिक जयपुर पोलो सीजन 2026 के तहत खेले जा रहे सवाई मान गार्ड कप (8 गोल)में टीम स्टर्नहेगन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। पीपीसी ग्राउंड पर खेले गए पहले सेमीफाइनल में स्टर्नहेगन ने मेफेयर पोलो को रोमांचक मुकाबले में 10-8 से पराजित किया। स्टर्नहेगन की जीत के नायक डेनजोशुआ स्ज़ासर(रहे, जिन्होंने अकेले7 गोलदागकर टीम को जीत दिलाई। एलन शॉन माइकल ने 2 और डीनो धनखड़ ने 1 गोल किया। टीम में अशोक चांदना भी शामिल रहे। मेफेयर पोलो की ओर से शमशोर अली ने 7 और हूर अली ने 1 गोल किया। टीम में लोकेंद्र सिंह धीरावत और प्रताप सिंह कानोता भी खेलें। आज रात दूसरा सेमीफाइनल : सवाई मान गार्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल इवोक 2026' एग्जीक्यूशन मैचके रूप में शुक्रवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर रात 7 बजे खेला जाएगा। इसमें टीम जयपुर और टीम नेवो पोलो आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट का फाइनल शनिवार, 10 अक्टूबर को शाम 7 बजे राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स में होगा।



